राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI.No. UPHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

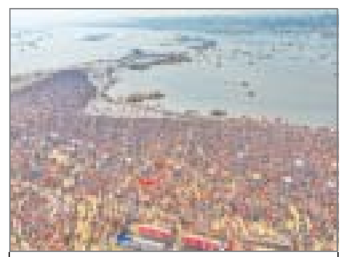

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करे 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | 9511151254 | epaper.swatantraprabhat.com | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, शुक्रवार , 21 मार्च 2025

वर्ष 13, अंक 325, पृष्ट 04,मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

परीक्षा देकर लौट रही युवती की सुनसान इलाके में मिली लाश,जांच शुरू..03

हीट वेव से निपटने के 'मथुरा प्लान' को मिली मान्यता...04

सुप्रीम कोर्ट मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी याचिकाओं पर 16 अप्रैल को करेगा सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने 2023 के कानून के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए बुधवार को 16 अप्रैल की तारीख तय की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने याचिकाओं पर सुनवाई की तारीख तय की। इससे पहले अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने न्यायालय में कहा कि मामला 38वें क्रमांक पर सूचीबद्ध है और आज इस पर सुनवाई होने की संभावना नहीं है। वकील प्रशांत भूषण ने मामले की तत्काल सुनवाई का अनुरोध करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र की जड़ से जुड़ा है और यह मुद्दा 2023 के संविधान पीठ के फैसले के अंतर्गत आता है। न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि अदालत इन सभी दलीलों को समझती है, लेकिन हर दिन कई जरूरी मामले सूचीबद्ध होते हैं। पीठ ने कहा, ''हम इसे 16 अप्रैल के लिए रखते हैं, ताकि मामले की अंतिम सुनवाई हो सके।'' याचिकाकर्ता एनजीओ 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' की ओर से पेश भूषण ने कहा कि इस मामले में एक छोटा कानूनी प्रश्न यह है कि क्या प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और प्रधान न्यायाधीश की भागीदारी वाले पैनल के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी 2023 के संविधान पीठ के फैसले का पालन किया जाना चाहिए या 2023 के कानून का पालन किया जाना चाहिए, जिसमें प्रधान न्यायाधीश को पैनल से बाहर रखा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने 18 फरवरी को कहा था कि वह मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर ''प्राथमिकता के आधार'' पर सुनवाई करेगा। भूषण ने कहा कि सरकार 2023 के कानून के तहत नए मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करके ''लोकतंत्र का मजाक उड़ा रही हैं। सरकार ने 17 फरवरी को चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया था। कुमार नए कानून के तहत नियुक्त होने वाले पहले मुख्य चुनाव आयुक्त हैं और उनका कार्यकाल 26 जनवरी 2029 तक रहेगा, जिसके कुछ दिन बाद निर्वाचन आयोग अगले लोकसभा चुनाव की तिथि घोषित करेगा। हरियाणा कैडर के 1989 बैच के आईएएस अधिकारी विवेक जोशी को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया। जोशी (58) 2031 तक चुनाव आयोग में सेवाएं देंगे। भूषण ने 2023 के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि इसमें कहा गया था कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति एक स्वतंत्र पैनल करेगा जिसमें प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और प्रधान न्यायाधीश शामिल हों। शीर्ष अदालत ने 15 मार्च 2024 को 2023 के कानून के तहत नए चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था, जिसमें प्रधान न्यायाधीश को चयन पैनल से बाहर रखा गया था और नियुक्तियों के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित कर दी थी।

उपजिलाधिकारी ने मुडीला गांव में की छापामारी, खाद्यान बरामद

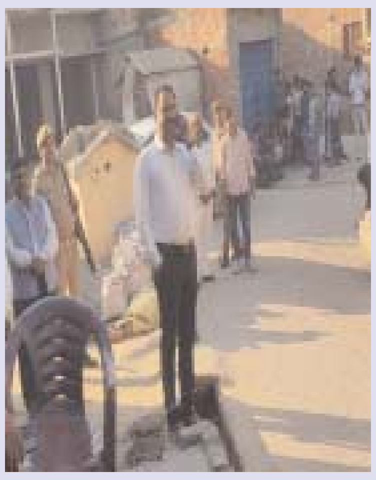

सिद्धार्थनगर। जिले के कपिलवस्तु कोतवाली क्षेत्र के पकड़ी उर्फ मुडीला गांव में तस्करी की सूचना पर राजस्व टीम ने छापामारी की जिसमें दो मकान में रखा नौ बोरी गेहूं बरामद किया गया।एसडीएम शोहरतगढ़ राहुल सिंह को सूचना मिली कि कोतवाली कपिलवस्तु क्षेत्र के। मुडीला गांव में तस्करी के लिए गोदाम में भारी मात्रा में खाद्यान्न स्टॉक है। एसडीएम ने तहसीलदार अजय मौर्य को जांच के लिए मौके पर भेजा। कुछ देर बाद खुद गांव पहुंच गए। संदिग्ध घरों की तलाशी ली गई। जिसमें एक घर से चार बोरी तथा दूसरे घर से पांच बोरी बरामद हुआ। जांच में कोटे के अनाज का शक होने पर एक कोटेदार के दुकान को चेक करने पहुंचे,क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी शोहरतगढ़ सतीश चंद्र ,द्वारा के खाद्यान्न के स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया। कोटेदार मौके पर नहीं रहा तीन घंटे तक प्रशासन को घुमाता रहा।उसके बाद गोलमाल करने के बाद ताला खोला, जो संदिग्ध दिख रहा था। एसडीएम शोहरतगढ़ राहुल सिंह ने कहा जांच में बिलंब और प्रशानिक अधिकारी को गुमराह कर घंटों परेशान किया गया।इसकी जांच रिपोर्ट संबंधित उच्च अधिकारी को दिया जाएगा। बरामद नौ बोरी गेहूं कोतवाली के सुपुर्द कर संलिप्त लोगों के खिलाफ विधिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। टीम में तहसीलदार अजय कुमार मौर्य,राजस्व निरीक्षक रामचंद्र प्रसाद,सुनील कुमार,राजस्व कर्मी कमलेश कुमार। कुमार मौर्या शामिल रहे।

हस्तशिल्प उत्पादों की प्रशंसा कर रहे हैं लोग

स्वतंत्र प्रभात

बलरामपुर विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एवं पाटन देवी हैण्डीक्राफ्ट प्रोड्यूसर कम्पनी लि0, बलरामपुर द्वारा आयोजित शिल्प प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम का द्वितीय बैच जिसका उद्घाटन मठवा में 17 मार्च को हुआ था, सफलतापूर्वक अपने उ?द्देश्यों को प्राप्त कर रहा है। मठवा में ममता देवी के हाल में चल रहा यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम जनसाधारण विशेष कर युवा वर्ग को अपनी ओर आकृष्ट कर रहा है। लोग इस कार्यक्रम में रूचि लेकर हस्तशिल्प उत्पादों को तैयार किये जाने की प्रक्रिया और स्टालों पर मौजूद उत्पादों की प्रशंसा कर रहे हैं। अनुसूचित जनजाति की शिल्पियों विशेष रूप से सुश्री नेहा, मीना, मनीषा, राधा, अंजली, अमावस्या कुमारी आदि के कार्यो को अधिक प्रशंसा मिल रही है। समाजसेवी श्री जितेन्द्र राठौर ने भी इस कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए अवलोकन किया और अपना मार्गदर्शन प्रदान किया। इस कार्यक्रम में अनुसूचित जनजाति के शिल्पियों द्वारा तैयार प्रसिद्ध, आकर्षक एवं उपयोगी हस्तशिल्प सामग्रियों का अनुपम संग्रह जनता को समर्पित किया गया है। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से कढ़ाई (इम्ब्रायडरी) शिल्प के उत्कृष्ट उत्पाद प्रदर्शन एवं बिक्री हेतु रखे गये। यह 3 द्विवसीय अनूठा कार्यक्रम 19 मार्च 2025 तक चलता रहेगा। कार्यक्रम में पहुंच रहे लोगो ने कहा कि हम सबको मिलकर अनुसूचित जनजाति के इन शिल्पियों का उत्साहवर्द्धन करना चाहिए ताकि ये शिल्पी और अधिक सामर्थ्य के साथ अपने हुनर का प्रदर्शन भविष्य में भी सफलतापूर्वक करते रहे। इस कार्यक्रम में रिसोर्स परसन / मास्टर काफ्ट परसन द्वारा शिल्पियों का मार्गदर्शन किया गया और आम जनता को आकृष्ट करने हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। इसमे छात्रों व युवाओ सहित अन्य लोगो ने उत्साह व रूचिपूर्वक सहभाग किया गया। लोगो ने इस कार्यक्रम के आयोजक पाटन देवी हैण्डीक्राफ्ट प्रोड्यूसर कम्पनी लि0 के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि हम विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार का आभार व्यक्त करते है कि उनके द्वारा अनुसूचित जनजाति के शिल्पियों के उत्पादों को तैयार करने की प्रक्रिया के प्रदर्शन, उसके प्रति लोगो में जागरूकता पैदा करने और लाभकारी बिक्री कराकर उनका जीवन स्तर उंचा उठाने के महती कार्य हेतु इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन कराया।

तीन द्विसीय शिल्प प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ

स्वतंत्र प्रभात

बलरामपुर। पचपेड़वा विकास खण्ड के अंतर्गत ग्राम पंचायत मठवा में ममता देवी के हाल में 17 मार्च से चल रहा है तीन द्विसीय शिल्प प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम का आज 19 मार्च को सफलतापूर्वक समापन सम्पन्न हुआ। समापन से पूर्व कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के हस्तशिल्प सेवा केन्द्र, वाराणसी के हस्तशिल्प संवर्द्धन अधिकारी श्री विनय कुमार सिंह ने चल रहे इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का अवलोकन किया और अपना मार्गदर्शन प्रदान किया। पाटन देवी हैण्डीक्राफ्ट प्रोड्यूसर कम्पनी लि0, बलरामपुर द्वारा आयोजित शिल्प प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम के द्वितीय बैच जिसका उद्घाटन मठवाँ में 17 मार्च को हुआ था, सफलतापूर्वक अपने उद्देश्यों को प्राप्त किया। प्रसिद्ध समाजसेवी व ग्राम प्रधान जिन्हें हस्तशिल्प में विशेष रूचि है, श्रीमती नीलम थारू ने भी आज कार्यक्रम में पहुंच कर अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज करायी और अनुसूचित जनजाति के हस्तशिल्पियों का उत्साहवर्द्धन किया। मठवों में ममता देवी के हाल में चले इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में जनसाधारण विशेष कर युवा वर्ग को अपनी ओर आकृष्ट किया। लोगों ने इस कार्यक्रम में रूचि लेकर हस्तशिल्प उत्पादों को तैयार किये जाने की प्रक्रिया और स्टालों पर मौजूद उत्पादों की भरपूर प्रशंसा किया। समाजसेवी श्री संजय थारू और शिल्पी सुश्री नेहा ने विशेष आग्रणी भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम में अनुसूचित जनजाति के शिल्पियों द्वारा तैयार प्रसिद्ध, आकर्षक एवं उपयोगी हस्तशिल्प सामग्रियों का अनुपम संग्रह जनता को समर्पित किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से कढ़ाई (इम्ब्रायडरी) शिल्प के उत्कृष्ट उत्पाद प्रदर्शन एवं बिक्री हेतु रखे गये। यह 3 द्विवसीय अनूठा कार्यक्रम आज 19 मार्च 2025 तक चला। कार्यक्रम में पहुंच रहे लोगो ने कहा कि हम सबको मिलकर अनुसूचित जनजाति के इन शिल्पियों का उत्साहवर्द्धन करना चाहिए ताकि ये शिल्पी और अधिक सामर्थ्य के साथ अपने हुनर का प्रदर्शन भविष्य में भी सफलतापूर्वक करते रहें।

संक्षिप्त ख़बरें

कुत्ते के झुंड ने किया बंदर पर हमला, राहगीरों बचाई जान

पनियरा। स्थानीय थाना अन्तर्गत बुधवार को दोपहर में ग्राम सभा बैदा में कुत्तों के एक झूंड ने एक बंदर को घेर कर हमला कर दिया और उसे घायल कर दिया। उसी समय कुछ

राहगीरों ने रुक कर डंडे से डरा कर कुत्ते को भगाया और घायल बंदर को चौरी चौराहे स्थित पशु चिकित्सालय पर लाया। जहां पर मौजूद डाक्टर अक्षय लाल चौधरी ने इलाज किया। घायल बंदर भी इलाज के दौरान शरारत नही किया जो देखने लायक था। बंदर का मदद करने वालों में स्वयम्बर मौर्य, हेमंत कुमार, मंजित मौर्य, राम भोग प्रसाद इलाज के दौरान मौजूद रहे।

हाईवे पर अनाधिकृत खड़े वाहनों पर हुई कार्रवाई

कानपुर। यातायात पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर द्वारा जी0टी0 रोड/ राष्ट्रीय राजमार्गो पर अनधिकृत रूप से खड़े भारी वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया । टीआई दक्षिण जोन द्वारा वाकरगंज से यशोदा नगर व यशोदा नगर से वाकरगंज तक टीआई दक्षिण जोन द्वारा सागर हाई-वे पर टीआई

पश्चिम जोन द्वारा भौति हाईवे पर,टीआई पश्चिम जोन (द्वितीय) द्वारा कानपुर- कन्नौज हाईवे पर सड़क के किनारे खड़े भारी वाहनों को हटाया गया व कुल 37 वाहनों पर वैधानिक कार्यवाही की गयी तथा भविष्य में सड़क के किनारे वाहन खड़ा न करने हेतु निर्देशित भी किया गया । उच्चाधिकारियों के आदेशानुसार कानपुर कमिश्नरेट पुलिस द्वारा दिनांक- 18.03.2025 को यातायात नियमों का पालन न करने वालो पर की कार्रवाई की गई। रॉन्ग साइड 287, ट्रिपल सवारी टू व्हीलर176, एचएसआरपी 22, अन्य 1041 कुल 1526 वाहनों पर कार्यवाही की गई।

राज्य महिला आयोग सदस्य ने आंगनबाड़ी केंद्र बख्तियारी का भ्रमण किया,बच्चो के विकास के कार्यों जताया संतोष

स्वतंत्र प्रभात

ब्यूरो प्रयागराज। सदस्य राज्य महिला आयोग द्वारा जनसुनवाई कार्यक्रम के पश्चात आंगनबाड़ी केंद्र बख्तियारी का भ्रमण किया गया जहां पर चलाए जा रहे हैं कार्यक्रमों और बच्चों की विकास के कार्यों को देखकर संतोष व्यक्त किया गया तथा उसे जारी रखने के निर्देश दिए गए। तत्पश्चात जिला कारागार की महिला बंदी गृह का परीक्षण किया गया। वहां की स्वच्छता एवं महिला बंदियों के बच्चों की शिक्षा से काफी प्रसन्नता व्यक्त की गई और उन्हें बेहतर सुविधाएं तथा कार्यों में व्यस्त रखने के निर्देश दिए गए। इसके बाद कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय चाका प्रयागराज का निरीक्षण किया गया तथा विद्यालय में आवासित बालिकाओं से उनका हाल जाना गया। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय को उच्चीकृत किए जाने के संबंध में भी कार्रवाई किए जाने की अपेक्षा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से की गई। इसके बाद जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया गया और वार्डो में भर्ती महिलाओं से मुलाकात कर महिला चिकित्सालय की सुविधाओं के बारे में जानकारी ली गई तथा उनके जल्द स्वस्थ होकर घर जान की कामना की गई। इसी प्रकार स्हष्ट वार्ड में भर्ती नवजात बच्चों का भी हाल जाना गया और भर्ती महिलाओं एवं बच्चों को बेहतर से बेहतर सुविधा शासन की मंशा के अनुरूप उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। तत्पश्चात जनपद में संचालित राजकीय महिला शरणालय का निरीक्षण कर आवासित महिलाओं से उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली गई और उनके कुशलक्षेम जाना गया तथा उपलब्ध कराई जारी व्यवस्था और साफ सफाई को देखकर संतोष व्यक्त किया गया। गया जहां पर चलाए जा रहे हैं कार्यक्रमों और बच्चों की विकास के कार्यों को देखकर संतोष व्यक्त किया गया तथा उसे जारी रखने के निर्देश दिए गए। तत्पश्चात जिला कारागार की महिला बंदी गृह का परीक्षण किया गया। वहां की स्वच्छता एवं महिला बंदियों के बच्चों की शिक्षा से काफी प्रसन्नता व्यक्त की गई और उन्हें बेहतर सुविधाएं तथा कार्यों में व्यस्त रखने के निर्देश दिए गए। इसके बाद कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय चाका प्रयागराज का निरीक्षण किया गया तथा विद्यालय में आवासित बालिकाओं से उनका हाल जाना गया। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय को उच्चीकृत किए जाने के संबंध में भी कार्रवाई किए जाने की अपेक्षा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से की गई। इसके बाद जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया गया और वार्डो में भर्ती महिलाओं से मुलाकात कर महिला चिकित्सालय की सुविधाओं के बारे में जानकारी ली गई तथा उनके जल्द स्वस्थ होकर घर जान की कामना की गई। इसी प्रकार स्हष्ट वार्ड में भर्ती नवजात बच्चों का भी हाल जाना गया और भर्ती महिलाओं एवं बच्चों को बेहतर से बेहतर सुविधा शासन की मंशा के अनुरूप उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। तत्पश्चात जनपद में संचालित राजकीय महिला शरणालय का निरीक्षण कर आवासित महिलाओं से उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली गई और उनके कुशलक्षेम जाना गया तथा उपलब्ध कराई जारी व्यवस्था और साफ सफाई को देखकर संतोष व्यक्त किया गया।

हस्तशिल्प प्रदर्शनी का हुआ भव्य शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात

बलरामपुर। चौक बाजार में बर्तन मार्केट के सत्यम सिंह हाल में हस्तशिल्प प्रदर्शनी का उद्घाटन 17 मार्च को सायंकाल हुआ। उद्घाटन संजय शर्मा, नगर अध्यक्ष, व्यापार मण्डल, बलरामपुर द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी में अनुसूचित जनजाति के शिल्पियों द्वारा तैयार प्रसिद्ध, आकर्षक एवं उपयोगी हस्तशिल्प सामग्रियों का अनुपम संग्रह जनता को समर्पित किया गया है। इस प्रदर्शनी में कढ़ाई (इम्ब्रायडरी) शिल्प के अतिरिक्त टेराकोटा, कुरैशिया व जरी आदि शिल्पों के उत्कृष्ट उत्पाद प्रदर्शन एवं बिक्री हेतु रखे गये हैं। यह 10 द्विवसीय अनूठी प्रदर्शनी 26 मार्च 2025 तक चलती रहेगी। इस अवसर पर उद्घाटनकर्ता व्यापार मण्डल, बलरामपुर के नगर अध्यक्ष श संजय शर्मा ने अनुसूचित जनजाति के शिल्पियों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रशंसा करते हुए कहा कि दूर-दूर तक इन शिल्पियों ने अपने अप्रतिम उत्पादो से उत्तम छवि बनायी है। शर्मा ने कहा कि हम सबको मिलकर अनुसूचित जनजाति के इन शिल्पियों का उत्साहवर्द्धन करना चाहिए ताकि ये शिल्पी और अधिक सामर्थ्य के साथ अपने हुनर का प्रदर्शन करते रह सकें। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रसिद्ध समाजसेवी व ग्राम प्रधान भरत लाल कसौधन ने हस्तशिल्प प्रदर्शनी के आयोजक पाटन देवी हैण्डीक्राफ्ट प्रोड्यूसर कम्पनी लि0 के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि हम विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार का आभार व्यक्त करते है कि इसमे अनुसूचित जनजाति के शिल्पियों के उत्पादों की लाभकारी बिक्री कराने और उनका जीवन स्तर उंचा उठाने के महती कार्य हेतु इस प्रदर्शनी का सफलतापूर्वक आयोजन कराया। अतिथि के रूप में व्यापार मण्डल के कोषाध्यक्ष सुनील सिंह व वरिष्ठ समाजसेवी सर्व प्रताप सिंह व विशाल सैनी ने भी शिल्पियों का उत्साहवर्द्धन किया। ग्रामीण विकास संस्थान के मंत्री सुनील साहनी ने अनुसूचित जनजाति के शिल्पियो के कल्याण और उनके आर्थिक विकास की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे मे बताते हुए उनका लाभ उठाने हेतु शिल्पियो से आग्रह किया। पाटन देवी हैण्डीक्राफ्ट प्रोड्यूसर कम्पनी लि0, बलरामपुर के प्रबन्ध निदेशक सैय्यद दानिश जमाल, निदेशक रजई निराला, राजकुमार व विन्ध्याचल आदि ने उद्घाटनकर्ता शर्मा, विशिष्ट अतिथि कसौधन व अन्य अतिथियों आदि सहित उपस्थित गणमान्य लोगो का स्वागत किया और उनकी गरिमामयी उपस्थिति हेतु आभार व्यक्त किया।

धर्म के आधार पर आरक्षण देना असंवैधानिक!

धर्म के आधार पर कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने मुस्लिम समुदाय के लिए 4 प्रतिशत सरकारी ठेकों में आरक्षण का प्रावधान किया है।कर्नाटक कैबिनेट ने सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को 4त्न के आरक्षण को मंजूरी दी है। इस पर राजनीति तेज हो गई है। बीजेपी ने इसे असंवैधानिक करार दिया। कानूनी जानकार कहते हैं कि कैबिनेट ऐसे फैसले ले सकती है। अगर किसी को आपत्ति है तो कोर्ट में इस फैसले को चुनौती दे सकता है, वहां इसका टिकना मुश्किल होगा। रिजर्वेशन संवैधानिक दायरे में है या नहीं, इसको लेकर अब अहम सवाल खड़ा हुआ है। वैसे कर्नाटक में मुस्लिमों के रिजर्वेशन का मामला पहले भी राजनीति का केंद्र रहा है और मामला सुप्रीम कोर्ट में भी पेंडिंग है।

कर्नाटक कैबिनेट ने सरकारी ठेकों में मुस्लिमों के लिए 4त्न आरक्षण को मंजूरी दी है। लेकिन बीजेपी ने इसे असंवैधानिक करार दिया है। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, इस फैसले का संवैधानिक टिकाव मुश्किल है और चुनौती देने पर कोर्ट में यह ठहरने की संभावना कम है।

कर्नाटक कैबिनेट ने सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को 4त्न के आरक्षण को मंजूरी दी है। इस पर राजनीति तेज हो गई है। बीजेपी ने इसे असंवैधानिक करार दिया। कानूनी जानकार कहते हैं कि कैबिनेट ऐसे फैसले ले सकती है। अगर किसी को आपत्ति है तो कोर्ट में इस फैसले को चुनौती दे सकता है, वहां इसका टिकना मुश्किल होगा। रिजर्वेशन संवैधानिक दायरे में है या नहीं, इसको लेकर अब अहम सवाल खड़ा हुआ है। वैसे कर्नाटक में मुस्लिमों के रिजर्वेशन का मामला पहले भी राजनीति का केंद्र रहा है और मामला सुप्रीम कोर्ट में भी पेंडिंग है।

लोकसभा के पूर्व सेक्रेटरी जनरल पीडीटी अचारी कहते हैं कि राज्य सरकार को इस बात का अख्तियार है कि वह रिजर्वेशन दे सकता है। यही कारण है कि अलग अलग राज्यों ने रिजर्वेशन दे रखा है। कर्नाटक, तामिलनाडु और केरल आदि में मुस्लिम को ओबीसी कैटिगरी में राज्य सरकार ने रखा है। इसके तहत सरकारी नौकरी और एजुकेशनल संस्थानों में रिजर्वेशन दिया जाता रहा है। यहां नया सिर्फ यह है कि टेंडर प्रक्रिया में रिजर्वेशन दिया गया है। कैबिनेट फैसला ले सकती है और इसमें कोई शक नहीं है। यह अलग बात है कि इस फैसले को संवैधानिक कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। संसद या विधानसभा से पास किसी भी कानून को संवैधानिक अदालत में चुनौती दी जा सकती है। तब अदालत स्क्रूटनी करती है और यह देखती है कि कानून या सरकार का फैसला संविधान के दायरे में है या नहीं।

आपको बता दें कि कर्नाटक सरकार मंत्रिमंडल ने कर्नाटक सार्वजनिक खरीद पारदर्शिता अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दे दी है और संशोधन विधेयक को इसी बजट सत्र में पेश किया जाएगा। संशोधन विधेयक के पारित होने पर सरकारी ठेकों में मुस्लिम समुदाय के लिए आरक्षण का रास्ता साफ हो जाएगा।

दरअसल कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार उपरोक्त संशोधन विधेयक को मंजूरी देते समय यह भूल गई कि 1976 में केंद्र में जब इंदिरा गांधी की सरकार थी, उस समय इंदिरा गांधी ने संविधान में 42वां संशोधन कर संविधान की उद्देशिका में %धर्मनिरपेक्ष% शब्द जोड़ा था। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार मुस्लिम समुदाय को धर्म के आधार पर ठेकों में चार प्रतिशत आरक्षण देकर धर्मनिरपेक्ष देश की नींव को ही कमजोर करने जा रही है।

आपको बता दें कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार का उपरोक्त फैसला गलत है, क्योंकि यह देश को धर्म के आधार पर बांटने का काम करेगा, जिससे देश की अखण्डता को खतरा पैदा हो सकता है। राज्य सरकार तर्क दे रही है कि यह कदम पिछड़े वर्गों के सशक्तीकरण की दिशा में उठाया गया है, लेकिन यह नीति धर्म के आधार पर नागरिकों के साथ भेदभाव करती है, जो सविधान की मूल भावना के प्रतिकूल है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है, जिसकी नींव समानता, न्याय और अवसरों की निष्पक्षता पर आधारित है। धार्मिक आधार पर आरक्षण देना इन मूल्यों का प्रत्यक्ष उल्लंघन है। विशेषज्ञों के मुताबिक, सविधान में शिक्षा एवं नौकरी के लिए आरक्षण का प्रावधान है, ठेकों के लिए नहीं। ऐसे फैसले वोट बैंक की राजनीति के तहत किए जाते हैं, जो समाज में ध्रुवीकरण पैदा कर असमानता बढ़ाते हैं। सरकार को समझना चाहिए कि ठेका प्रणाली में योग्यता, पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा का होना अत्यंत आवश्यक है। अन्यथा इससे भ्रष्टाचार और पक्षपात के नए रास्ते खुल सकते हैं। किसी विशेष धर्म या समुदाय के लिए आरक्षित कोटा लागू करने से सार्वजनिक सेवा की गुणवत्ता भी प्रभावित हो सकती है, और यह समान अवसर की अवधारणा को कमजोर करता है। बेशक सामाजिक व आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा में लाने हेतु विशेष अवसर देने की आवश्यकता है, लेकिन आर्थिक स्थिति या शैक्षिक पिछड़ापन के आधार पर होना चाहिए, न कि धार्मिक पहचान के आधार पर। यदि प्रत्येक धर्म विशेष को इसी प्रकार रियायत दी जाने लगी, तो यह आरक्षण की अवधारणा का राजनीतिक दुरुपयोग होकर रह जाएगा। धर्म आधारित आरक्षण समाज को बांटने का ही कार्य करेगा, जो राष्ट्रहित में नहीं है। आपको पता रहे कि कांग्रेस स्वतंत्रता के बाद जिस तरह की तुष्टिकरण की नीति अपनाकर चल रही है उसका परिणाम आज उसके सामने है। समय की मांग तो यह है कि कांग्रेस तुष्टिकरण की राह छोड़कर राष्ट्रहित को प्राथमिकता देती। कांग्रेस नेतृत्व को कर्नाटक की सरकार को धर्म के आधार पर आरक्षण देने वाले निर्णय को रोकना चाहिए। अगर कर्नाटक में कांग्रेस सरकार धर्म के आधार पर आरक्षण के निर्णय पर कायम रहती है तो देश भर में धर्म के आधार पर आरक्षण की मांग उठेगी और धर्म के नाम पर लोग आमने-सामने होते दिखाई देंगे, जो देशहित में नहीं है। आर्थिक या सामाजिक रूप से पिछड़ों को शिक्षा व नौकरियों में आरक्षण देना अलग बात है। धर्म के आधार पर आरक्षण देना गलत है। कांग्रेस हाईकमान मामले की गंभीरता को समझे और कर्नाटक सरकार को संशोधन विधेयक पारित करने से रोके। इसी में कांग्रेस की भलाई है।

मनोज कुमार अग्रवाल

संपादकीय

देश की आर्थिक समृद्धि, ज्ञान शिक्षा और विज्ञान

(ज्ञान और शिक्षा से देश का विकास)

इतिहास का पन्ना पलटें तो हर सभ्यता ने अपने कई कई रूप बदले हैंद्य संस्कृति ने नए नए नए आयाम का सृजन किया हैद्य वैसे भी जीवन परिवर्तन का पर्याय है एवं विकास का स्वरूप हैद्य यह सर्वकालीन सत्य है कि शिक्षा एवं ज्ञान का महत्व हर संस्कृति, सभ्यता और मानवीय समुदाय के जीवन में एक प्रकाश पुंज की तरह उन्हें विकास की दिशा दिखाते हुए आया हैद्य जिस देश की भाषा जितनी समृद्ध होगी उस देश की सभ्यता संस्कृति और ज्ञान उत्तम शिखर पर होगा और विकास की नई नई धाराएं बहेगीद्य मानवीय विकास के साथ मनुष्य को अधिक परिपक्व को समझदार तथा समृद्ध बनाने में शिक्षा,भाषा, ज्ञान और साहित्य का सर्वाधिक महत्व रहा हैद्य शिक्षा चाहे आपके परिवार से प्राप्त हुई हो, स्कूल कॉलेज अथवा किसी शिक्षण संस्थान से प्राप्त हुई हो या भारतीय संस्कृति के वैदिक शास्त्रों से प्राप्त हुई हो, शिक्षा का मनुष्य के व्यक्तित्व के निर्माण में बड़ी अहम भूमिका होती हैद्य शिक्षा भी समाज संस्कृति एवं सभ्यताओं के साथ परिवर्तनशील तथा प्रगतिशील हैद्य

शिक्षा, ज्ञान तथा संस्कृति और कला साहित्य को देश और विदेश की सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता है। यह असीमित भंडार है एवं इसमें आकाशीय ऊंचाइयां भी शामिल रहती हैंद्य शिक्षा और ज्ञान न तो गहराइयां न ही नापी नजा सकती है, और ना ही इसकी ऊंचाई को देखा जा सकता है। पूर्वी सभ्यता जहां अध्यात्म, वेद ,पुराणों पर अवलंबित है, वहीं पश्चिमी सभ्यता ज्ञान विज्ञान नए नए अविष्कार और आकाश की अनछुई कई बातों को उजागर करने वाली है। ऐसी शिक्षा तथा ज्ञान के कारण मानव चंद्रमा पर पहुंच कर एक नई गाथा लिख पाया हैद्य वस्तुतः पूर्व तथा पश्चिम ज्ञान विज्ञान तथा शिक्षा के मामले में एकाकार हो चुका है कोई भी भेदभाव या विभाजन रेखा नहीं खींची जा सकती हैद्य पूरी सभ्यता ने जहां पाश्चात्य दर्शन से नए नए अविष्कारों हवाई जहाज, इंजन, ग्रामोफोन, रेडियो एवं नई नई टेक्नोलॉजी को अपनाया है वहीं पश्चिमी दर्शन ने भारती ज्ञान विज्ञान संस्कार आयुर्वेद योग धर्म दर्शन को अपना कर अपनी जीवनशैली में शांति तथा सौभाग्य स्थापित किया हैद्य यह सब शिक्षा भाषा एवं ज्ञान के बदौलत पूर्व और पश्चिम का मेल संभव हो पाया हैद्य शिक्षा और भाषा सदैव ही अज्ञानता के तमस में एक प्रकाश पुंज की तरह देदीप्यमान होता रहा है, नवजीवन की विकास धारा में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया हैद्य हमारे कई धर्मों में जिनमें जैन ,बौद्ध दर्शन, नव्य वेदांत तथा भारतीय संस्कृति के नवीन चिंतन के सामने आने से नवयुग की कल्पना को साकार किया है। पश्चिम के कई विद्वान और चिंतक जिनमें प्लूटो, अरस्तु, सुकरात, कार्ल मार्क्स, लेनिन ने अनेक विकास के सिद्धांतों को प्रतिपादित किया है। जिसका पूरे विश्व ने खुले दिल से स्वागत किया एवं विकास की नई नई की इबारत लिखी हैद्य

दूसरी ओर भारत की संस्कृति, सभ्यता और समाज में सदैव आवश्यक सुधार तथा नई नई बुद्धिमता पूर्ण युक्तियों को अपने में आत्मसात करने की एक अलग क्षमता रही है, और विकास का मूल मंत्र भी परिवर्तनशील जीवनशैली ही है द्य राजनीति तो सदैव परिवर्तन पर अवलंबित रहती है। स्वतंत्रता के पहले तथा बाद में राजनीतिक घटनाक्रम जिस नव परिवर्तन युग की तरफ अग्रसर हुए हैं वह अत्यंत उल्लेखनीय हैद्य भारतीय सभ्यता समाज और संस्कृति जितनी जटिल तथा गूढ है उसको जितना समझा जाए, उसका जितना अध्ययन किया जाए तो उससे नवीन बातें समझ में आती है, और उसके नए नए अर्थ हमारे सामने आते हैं, जिसका बहु आयामी उपयोग हम अपनी जीवनशैली में परिवर्तन करने के लिए सदैव कर सकते हैं।

स्वतंत्रता के बाद तो भारत देश ने ज्ञान भाषा तथा संस्कृति में अनेक परिवर्तन किए गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, बाल गंगाधर तिलक, सुभाष चंद्र बोस आदि ने अपनी किताबों में नव परिवर्तन के नए-नए आयामों तथा जीवन शैली के सत्य के साथ प्रयोग को एक नया आयाम दिया है और भारत देश को नए स्वरूप में विश्व में पहचान दिलाई है। पाश्चात्य ज्ञान से हमें अपने आडंबर एवं अंधविश्वास तथा शिक्षा पर विजय प्राप्त करने में काफी मदद प्राप्त हुई है। भारतीय संस्कृति की कई भ्रांतियों को भी हमने ज्ञान तथा भाषा के नवीन प्रयोगो से समाज से दूर किया है।

दिन प्रतिदिन जीवन की कार्यशैली में हम यह महसूस करते हैं कि शिक्षा भाषा तथा ज्ञान हमें यह महसूस कर आते हैं कि हम अभी तक कितने पीछे हैं एवं हमें कितने ज्ञान की और आवश्यकता है। हालांकि ज्ञान का कोई और झोर नहीं होता, ज्ञान तथा भाषा एक समृद्ध भंडार है, उसमें आप जितना सीख सकते हैं ज्ञान ले सकते हैं वह अत्यंत लघु होता है। तो हमेशा हमें यह प्रयास करना चाहिए कि हम पल प्रतिपल कुछ ना कुछ हर व्यक्ति, हर समाज, हर सभ्यता से सीखने का प्रयास करें ,क्योंकि ज्ञान भाषा एवं संस्कृति हमें सदैव समृद्ध विकासशील एवं परिवर्तनशील बनाती है और परिवर्तनशील जीवन ही एक नई ऊर्जा, आशा और विकास को जन्म देती है।

संजीव ठाकुर

कहानी कहने की परंपरा- दादी-नानी की गोद से वैश्विक मंच तक

[हर दिल में बसती है एक कहानी- सुनो, कहो और जियो]

जब शब्द नृत्य करते हैं, भावनाएँ जागती हैं, और समय की धारा में एक जादुई चित्र उभरता है–तब जन्म लेती है एक कहानी। हर साल 20 मार्च को मनाया जाने वाला विश्व किस्सागोई दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि उस अनमोल परंपरा का उत्सव है जो मानव सभ्यता की नींव में बसी है। कहानियाँ सिर्फ शब्दों का संग्रह नहीं होतीं, वे समय की नदी में बहती जादुई लहरें हैं, जो सुनने वाले को एक अनदेखे सफर पर ले जाती हैं और कहने वाले के मन को अभिव्यक्ति का आकाश देती हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हमारा वजूद, हमारी पहचान और हमारा इतिहास–सब कुछ कहानियों के रंगीन धागों से बुना गया है। चाहे वह दादी-नानी की गोद में सुनी लोककथाएँ हों, किताबों में दर्ज ऐतिहासिक गाथाएँ हों, या आज के डिजिटल मंचों पर वायरल होती कहानियाँ–हर कथा में जीवन को समझने और उसे नई नजर से देखने की शक्ति छिपी है।

विश्व किस्सागोई दिवस एक ऐसा अनुपम उत्सव है, जो कहानियों के अलौकिक आकर्षण को केंद्र में लाता है और मानव सभ्यता की अनमोल विरासत को संजोते हुए सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बनता है। इसकी नींव 1991 में स्वीडन में पड़ी, जब इसे ÷राष्ट्रीय किस्सागोई दिवस÷ के रूप में मनाया गया; किंतु 2001 में यह ÷विश्व किस्सागोई दिवस÷ के रूप में वैश्विक मंच पर स्थापित हो गया। 2002 में स्कैंडिनेविया से आगे बढ़ते हुए, 2005 तक यह 25 देशों में अपनी पहचान बना चुका था। यह दिन मौखिक कथाओं और लोकसाहित्य की असीम शक्ति का उत्सव है, जहां हर साल एक नई थीम–2025 में ÷गहरा पानी÷–कथाकारों को प्रेरित करती है। इस थीम के अंतर्गत वे संकट की घड़ियों, जल के रहस्यमयी संसार या सागर की अथाह गहराइयों से कथाएं गढ़ते हैं। 20 मार्च को ये कथावाचक अपनी सम्मोहक कहानियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देते हैं–ये कथाएं अतीत को जीवंत करती हैं, नैतिकता की ज्योति प्रज्वलित करती हैं और भविष्य के लिए प्रेरणा का आलोक फैलाती हैं। यह आयोजन केवल कला का प्रदर्शन नहीं, बल्कि मानव रचनात्मकता और वैश्विक सामंजस्य का एक प्रदीप्त प्रतीक है।

कहानी कहना मानवता की सबसे पुरानी कला है। जब हमारे पूर्वज गुफाओं में आग के चारों ओर बैठते थे, तब भी वे अपने अनुभवों को कहानियों में ढालते थे। उन कहानियों ने न केवल उनका मनोरंजन किया, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को जीवन के सबक, नैतिकता और साहस की प्रेरणा दी। आज भी यह सिलसिला जारी है। एक माँ अपने बच्चे को सोते वक्त जो कहानी सुनाती है, वह सिर्फ नींद लाने का जरिया नहीं होती–वह उसके कोमल मन में सपनों के बीज बोती है। एक लेखक जो अपनी किताब में समाज की सच्चाई उकेरता है, वह पाठक के विचारों को झकझोर देता है। कहानी केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि एक दर्पण है जो हमें हमारा अतीत दिखाता है, एक खिड़की है जो भविष्य की झलक देता है, और एक पुल है जो हमें एक-दूसरे से जोड़ता है।

डिजिटल युग ने कहानियों को नए पंख दिए हैं। पहले जो किस्से गाँव के चबूतरे पर या अलाव की गर्माहट में सुनाए जाते थे, वे आज पॉडकास्ट की आवाज में, वेब सीरीज़ के दृश्यों में, और सोशल मीडिया के छोटे-छोटे वीडियो में जीवंत हो उठे हैं। टेक्नोलॉजी ने कहानी कहने के तरीके को बदला है, लेकिन उसकी आत्मा को नहीं छुआ। आज भी एक अच्छी कहानी सुनते ही हमारा मन उसमें खो जाता है, हमारी आँखों के सामने चित्र उभरने लगते हैं, और हमारा दिल भावनाओं की लहरों में डूब जाता है। चाहे वह नेटफ्लिक्स पर कोई सीरीज़ हो या यूट्यूब पर कोई प्रेरक वीडियो–कहानी की वह ताकत अब भी बरकरार है जो हमें हँसाती है, रुलाती है, और सोचने पर मजबूर करती है।

इतिहास गवाह है कि कहानियों ने समाज को बदलने में अहम भूमिका निभाई है। महाभारत और रामायण जैसी पौराणिक कथाएँ हमें धर्म और कर्म का पाठ पढ़ाती हैं, तो मुंशी प्रेमचंद की कहानियाँ हमें गरीबी और अन्याय की कड़वी सच्चाई से रूबरू कराती हैं। भगत सिंह की डायरी के पन्ने और गांधी जी की आत्मकथा हमें आजादी के संघर्ष की कहानी सुनाते हैं, जो आज भी युवाओं में जोश भर देती हैं। एक कहानी नायक को जन्म दे सकती है, एक क्रांति को प्रज्वलित कर सकती है, और एक समाज को नई दिशा दे सकती है। जब मार्टिन लूथर किंग ने अपने सपनों की कहानी सुनाई, तो उसने नस्लवाद के खिलाफ एक आंदोलन खड़ा कर दिया। जब मलाला ने अपनी कलम से अपनी कहानी लिखी, तो उसने शिक्षा के लिए लड़ने की प्रेरणा दी। कहानियाँ सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि बदलाव का हथियार हैं।

20 मार्च का यह दिन हमें न केवल कहानियाँ सुनने और सुनाने की प्रेरणा देता है, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि हर इंसान के भीतर एक अनकही कहानी छिपी है। आपकी जिंदगी का वह छोटा-सा किस्सा, जो आपको हँसाता है, या वह अनुभव, जो आपको रुला देता है–वह भी एक कहानी है। इस दिन हम यह संकल्प ले सकते हैं कि हम अपनी कहानियों को दुनिया के सामने लाएँगे। एक बच्चे को लोककथा सुनाएँगे, एक दोस्त के साथ अपने जीवन का कोई यादगार पल साझा करेंगे, या अपनी संस्कृति की गाथाओं को अगली पीढ़ी तक पहुँचाएँगे। कहानी कहना सिर्फ कला नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है–खुद को और दूसरों को जोड़ने की, प्रेरित करने की, और दुनिया को बेहतर बनाने की।

कहानी सिर्फ शब्दों का संग्रह नहीं, यह अनुभवों का उजाला है–एक रोशनी, जो न केवल हमारे भीतर के अंधेरे को मिटाती है, बल्कि दूसरों के जीवन में भी उजाला भरती है। जब हम कोई कथा कहते या सुनते हैं, तो यह केवल संवाद नहीं, बल्कि एक यात्रा का आरंभ होता है–एक ऐसी यात्रा, जो समय की सीमाओं को लाँघकर अनंत तक पहुँचती है। 20 मार्च, विश्व किस्सागोई दिवस, केवल एक तिथि नहीं, बल्कि एक अवसर है अपनी कहानियों को मुक्त करने का, अपनी आवाज़ को नई ऊँचाइयाँ देने का। आपकी कहानी, मेरी कहानी, हमारी कहानी–ये वे धागे हैं जो दुनिया को जोड़ते हैं, इसे संवेदनाओं की डोर में बाँधते हैं। तो आज, अपने शब्दों को पंख दें, अपने किस्सों को खुलकर बयां करें और उस जादू को महसूस करें, जो हर कहानी के भीतर छिपा होता है।

हर दिल में बस्ती है एक कहानी अधूरी,
सुनो, कहो, बनाओ इसे दुनिया की सबसे प्यारी सौगात पूरी,
जहां हर सपना सच हो, हर आंसू मुस्कान बन जाए,
और ये अधूरी कहानी, प्यार की अनमोल निशानी कहलाए।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

संजीव-नी।

छोड़ तट मिलान के।

छोड़ तट मिलान के
लहरों में प्यार के
बह रहा हूं मैं असीम
नाव सा सब बंध-हीन।

नूपुर सी पायल के
स्नेहिल बाहों में प्यार के
हो गए छंद हीन
शब्द और गीत विहीन।

बंसी भी उनकी
छूकर अधर मेरे
हो गई स्वर विहीन
हो गई सुर विहीन।

नयनों में मेरे तरसे हुए
छलकती रूप से तेरे
तारिका सी नित नवीन
नभ में प्यार के अंतहीन।

संजीव ठाकुर

कलियुग का बीरबल है मस्क का ग्रोक

आजकल भारत में 'ग्रोक' का हल्ला है। ग्रोक एक ऐसा चैटबॉक्स है जो आपके हर सवाल का जबाब देता है। बेझिझक देता है। लाजबाब है। हाजिर जबाब है। इन दिनों भारत में लोग ग्रोक को अपना गुरू मानने लगे है। ग्रोक एक ऐसा गुरु है जो जाति,धर्म और लिंग भेद से बहुत ऊपर है। ग्रोक ठेठ समाजवादी है। सबके लिए उपलब्ध है। ग्रोक दुनिया में किसी की नहीं सुनता सिवाय अपने मालिक एलन मस्क के। भारत के लोग जब राम मंदिर बना रहे थे, कुम्भ में डुबकियां लगा रहे थे। तब एलन मास्क ग्रोक को अमली जामा पहना रहे थे। आपने भी शायद मेरी तरह बचपन में अकबर-बीरबल के किस्से सुने होंगे । मुल्ला नसरुद्दीन की कहानियां सुनी होंगीं। जो हर सवाल का जबाब देने में माहिर थे। बीरबल की बुद्धिमत्ता के सामने मुग़ले आजम अकबर भी नतमस्तक हो जाते थे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तकनीक के जमाने में आम जनता अकबर है और ग्रोक बीरबल। बस आप सवाल कीजिये और ग्रोक गुरु पलक झपकते आपके सवाल का जबाब पेश कर देंगे। अभी तक ये काम गूगल गुरु के जिम्मे था लेकिन अब ग्रोक ने गूगल गुरु को भी पछाड़ दिया है।ग्रोक 3 "पृथ्वी का सबसे स्मार्ट एआई" है।

दरअसल आज दुनिया के तमाम मुल्कों में फांसीवादी और तानाशाही प्रवृत्तियां तेजी से सिर उठा रही है। दुनिया के तमाम सत्ताप्रतिष्ठान अपनी जनता के सवालों के जबाब देने के लिए राजी नहीं हैं ,ऐसे में ग्रोक-3 के अवतरण ने लोगों को चौंका दिया है । लोग ग्रोक के दीवाने हो गए हैं। ग्रोक वे सब जानकारियां दे रहा है जो सत्ता प्रतिष्ठान छुपाने की कोशिश करता है।

ग्रोक अभी भारत,ऑस्ट्रेलिया ,फिलीपींस और दो अन्य देशों के लिए ही उपलब्ध है। अमेरिका को ग्रोक की जरूरत नहीं है।चीन की ओर ग्रोक देख नहीं सकता। भारत के नेता ग्रोक से आतंकित हैं क्योंकि ग्रोक दूध का दूध ,पानी का पानी करता दिखाई दे रहा है। भारत की सरकार ने बीबीसी द्वारा मोदी जी को लेकर बनाई गयी फिल्म प्रतिबंधित कर दी थी लेकिन ग्रोक 3 को प्रतिबंधित नहीं किया गया है। किया भी नहीं जा सकता क्योंकि ग्रोक उस एलन मस्क का दास है जिसके घर आदरणीय मोदी जी बच्चे खिलने गए थे।

आपको सरल भाषा में बताऊँ तो अब ग्रोक कलिकाल का सबसे बड़ा और प्रामाणिक गुरु है। आज की पीढ़ी को यदि गुरु के बारे में बताया जाएगा तो कहा जाएगा

ग्रोक ब्रम्हा,ग्रोक विष्णु,ग्रोक देवो महेश्वरा

ग्रोक साक्षात् परमब्रम्ह तस्मै ,श्री ग्रोको नमो नम- ग्रोक कृत्रिम बुद्धि का ऐसा अनूठा उदाहरण है जो आभासी दुनिया के किसी भी मंचपर उयलब्ध किसी भी सूचना का विश्लेषण कर आपके सामने उपस्थित हो जाता है ,वो भी पलक झपकते हुए। ग्रोक त्रिनेत्र है। ग्रोक आभासी दुनिया पर मौजूद तस्वीरों,वेब सूचनाओं और पीडीएफ फाइलों को पढ़ने में समर्थ है ग्रोक की तीक्ष्ण बुद्धि का आधार उसका विशाल डाटा संग्रह है। इस समय दुनिया में 400 से अधिक सोशल मीडया मंच उपलब्ध हैं लेकिन इनमें 20 ही ज्यादा प्रचलन में हैं। ग्रोक-3 इन सबसे ऊपर है। सबसे आगे है। ग्रोक के रहते आपको कोई पप्पू नहीं बना सकता ,जैसे कि भारत में भाजपा और संघ ने राहुल गांधी को पप्पू बना दिया था। ग्रोक जनता को पप्पू के बारे में असली और प्रामाणिक सूचनाएं देने में समर्थ है ,

प्रश्नाकुल भारतीय समाज के लिए ग्रोक एक अजूबा है। लोग ग्रोक से वे सब सवाल कर रहे हैं जिनका उत्तर उसे सत्ता प्रतिष्ठान की और से नहीं मिल रहा। जनता जितना राहुल गाँधी के बारे में सवाल कर रही है, उससे ज्यादा प्रधानमंत्री मोदीजी के बारे में सवाल कर रही है। ग्रोक जनता को दोनों की हकीकत बता रहा है। ग्रोक के मुंहफट होने से सत्ता प्रतिष्ठान भयभीत है। सत्ता प्रतिष्ठान कोआशंका है कि ग्रोक भाजपा और संघ का तिलस्म तोड़ सकता है। अब भारत की सरकार के सामने दो ही विकल्प हैं। पहला ये कि ग्रोक को प्रतिबनाधित किया जाये और दूसरा ग्रोक से समझौता कर लिया जाये। ग्रोक को प्रतिबंधित करना भारत सरकार के लिए आसान नहीं है ,क्योंकि ग्रोक उन एलोन मस्क का उत्पाद है जो दुनिया के महाबली अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का दायां हाथ है।

ग्रोक के प्रहार से बचने का दूसरा रास्ता मस्क से समझौता करना है। भारत की सरकार यदि मस्क के लिए भारत में कारोबार का दरवाजा खोल दे तो मुमकिन है कि मस्क ग्रोक की चाबी ऐंठ दें। उसकी प्रोग्रामिंग को इस तरह बदल दें कि वो मोदी जी की तरह सफेद सच के साथ सफेद झूठ भी बोलने लगे। ग्रोक कठपुतली नहीं है। ग्रोक मस्क के इशारों पर नर्तन करने वाली तकनीक है ,जो निर्बाध रूप से सभी को उपलब्ध है। आने वाले दिनों में ग्रोक भारतीय राजनीति की दशा और दिशा को कितना प्रभावित कर पाएगा कहना कठिन है। लेकिन जिस देश में मुद्दों के बजाय मुर्दों पर सियासत हो रही हो उस देश के लिए ग्रोक एक बड़ी समस्या बनने जा रहे हैं। ग्रोक न औरंगजेब के साथ है और न मोदी जी के साथ। ग्रोक न कांग्रेस के साथ है और न समाजवादियों के साथ। ग्रोक अभी सच के साथ है। सत्यम,शिवम,सुंदरम जैसा है।

आप सोच रहे होंगे कि भूलोक के इस नए गुरु का नाम ग्रोक क्यों रखा गया ? तो आपको बता दूँ ग्रोक शब्द रॉबर्ट हेनलेन के नोवल "स्ट्रेंजर इन ए स्ट्रेंज लैंड" से आया है। इसका उपयोग मंगल ग्रह पर पले-बढ़े एक किरदार द्वारा किया जाता है और इसका मतलब किसी चीज को पूरी तरह और गहराई से समझना है। कुल मिलाकर लोग ग्रोक के आगमन से खुश हैं। आप केवल मोदी जी या राहुल जी के बारे में ही नहीं बल्कि अपने बारे में भी सवाल कर सकते हैं। ग्रोक शायद ही आपको निराश करे ! भगवान ग्रोक को लम्बी उम्र दे ताकि ग्रोक प्रश्नाकुल समज की जिज्ञासाओं को लगातार शांत करता रहे।

राकेश अचल

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त ख़बरें

एमएलसी से ग्राम प्रधानों ने सामुदायिक केंद्र/बारात घर की मांग की

कछौना, हरदोई। वर्तमान समय में ग्रामीण क्षेत्र में सांस्कृतिक केंद्र व बरात घर व सामुदायिक केंद्र की निशांत आवश्यकता है। क्योंकि विद्यालयों व ग्राम सचिवालय में वैवाहिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर प्रतिबंध है। वैवाहिक कार्यक्रम के कारण विद्यालयों व ग्राम सचिवालय का प्रांगण प्रभावित होता था। विद्यालयों के भवनों की दशा खराब हो जाती थी। वैवाहिक कार्यक्रम होने के कारण नौनिहालों का शिक्षण कार्य प्रभावित होता था। ग्रामीण क्षेत्र में बरात घर न होने के कारण आम जनमानस के सामने संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों के सामने समस्या खड़ी हो गई है। उनकी माली हालत यह नहीं है कि वह कस्बा क्षेत्र में जाकर मैरिज लॉन किराए पर लेकर कार्यक्रम संपन्न कर सके। ग्रामीणों की मांग पर विकासखंड कछौना की ग्राम सभाओं के प्रधानों ने एमएलसी अशोक अग्रवाल से ग्राम सभा में बारात घर बनवाने की मांग की। जिस पर एमएलसी ने ग्राम प्रधानों को आश्वासन दिया, ग्रामीणों की मांग को ध्यानगत रखते हुए शासन को अवगत कराते हैं, सरकार से विशेष बजट धनराशि स्वीकृत कराके ग्राम सभा में सामुदायिक केंद्र/बरात घर बनवाया जाएगा। जिसमें ग्रामीण सांस्कृतिक कार्यक्रम व वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न कर सके।

बिलग्राम मल्लावां स्टेट हाईवे को राष्ट्रीय राजमार्ग में शामिल करने को लेकर सदन में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री से उठाई मांग।

हरदोई/बेनीगंजढ्ढजिले के बिलग्राम मल्लावां उन्नाव राज्य राजमार्ग को फोरलेन करने और राष्ट्रीय राजमार्ग बनाए जाने को लेकर जिले के लोग काफी दिनों से कयास लगाए बैठे थे। लोगों के भरोसे पर अमल करते हुए मिश्रिख से भाजपा सांसद अशोक रावत ने 17 मार्च को सदन में मांग की है। सांसद अशोक रावत ने नियम 377 के तहत लोकसभा में यह मामला उठाया है सांसद ने सदन में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को बताया है कि बिलग्राम मल्लावां उन्नाव राज्य राजमार्ग संख्या 38 है यह हरदोई जनपद होते हुए एक तरफ उन्नाव और दूसरी तरफ शाहजहांपुर के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 730 से जुड़ता है। राष्ट्रीय राजमार्ग फोर लेन है। हरदोई और उन्नाव में इस सड़क की चौड़ाई बहुत कम है इस कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं। सांसद ने कहा है लगभग डेढ़ साल पहले मल्लावां नगर पालिका के तत्कालीन अध्यक्ष अंकित जयसवाल का इसी मार्ग पर दुर्घटना में निधन हो गया था। 25 नवंबर 2024 को भी भीषण दुर्घटनाएं में 15 लोगों की मौत हो गई थी। प्रधानमंत्री ने भी ट्वीट करके इस हादसे पर दुख जताया था। प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतक के परिवारों को दो-दो लाख रुपए की सहायता राशि दी गई थी। आए दिन दुर्घटनाओं का लोग शिकार हो रहे हैं। उपरोक्त बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए उक्त राज्य राजमार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग में शामिल करने की स्वीकृत और मार्ग के लिए फोरलेन बनवाए जाने की मांग सांसद द्वारा सदन में की गई है। जिससे भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने में मदद मिल सकेगी।

जिला जज, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया जिला कारागार का संयुक्त निरीक्षण

हरदोई जिला जज संजीव शुक्ला, जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने जिला कारागार का निरीक्षण किया। पाकशाला के निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि रोस्टर के अनुसार कैदियों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाए। बैंरकों के निरीक्षण के दौरान उन्होंने कैदियों से बातचीत की। जिला जज ने कि जिन कैदियों के पास वकील न हो उन्हें वकील उपलब्ध कराया जाए। जेल में अस्पताल के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि बीमार कैदियों का तत्काल इलाज कराया जाए। इलाज में किसी प्रकार की कोताही न की जाए। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार यादव ने कहा सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी जाए। इस अवसर पर जेल अधीक्षक व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जब जिलाधिकारी बोले दद्दा अब आपको दुबारा नहीं आना पड़ेगा

हरदोई जन सुनवाई के दौरान कलेक्ट्रेट कक्ष का माहौल उस समय भावुक हो गया जब धोंधी गाँव के एक 94 वर्ष के एक बुजुर्ग शिवकरन द्विवेदी पुत्र स्वर्गीय सोमेश्वर द्विवेदी जिलाधिकारी मंगला प्रसाद के समक्ष पहुँचे और शिकायत की कि उनके खेत पर गाँव के कुछ लोगों ने कब्ज़ा कर लिया है। वह पहले भी दो बार 31 दिसम्बर व 23 जनवरी को शिकायत कर चुके हैं लेकिन लेखपाल द्वारा कार्रवाई नहीं की जा रही है। बुजुर्ग ने लड़खड़ाती हुई आवाज़ में अपनी बात रखी। जिलाधिकारी ने खड़े होकर बुजुर्ग की बात को ध्यान से सुना। उन्होंने तत्काल वर्चुअल माध्यम से उप जिलाधिकारी बिलग्राम से बात की व सम्बंधित लेखपाल की जवाबदेही तय करते हुए खेत की मेड़बंदी कराने के निर्देश दिए। उन्होंने लापरवाही करने वाले लेखपाल व कानून गो को निलंबित करने तथा नायब तहसीलदार, तहसीलदार व उपजिलाधिकारी को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पैमाइश करने के उपरांत पत्थर लगाकर सीमा का चिन्हांकन किया जाये। मेड़ तोड़कर कब्ज़ा करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई की जाये। जिलाधिकारी ने भावुक होकर बुजुर्ग शिवकरन से कहा कि दद्दा अब आपको दुबारा नहीं आना पड़ेगा।

परीक्षा देकर लौट रही युवती की सुनसान इलाके में मिली लाश,जांच शुरू

स्वतंत्र प्रभात

मलिहाबाद,लखनऊ। कोतवाली मलिहाबाद क्षेत्र से बुधवार को एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया। मिली जानकारी के अनुसार, मलिहाबाद थाना क्षेत्र के मोहम्मद नगर तालुकेदारी स्थित एक आम की बाग में 32 वर्षीय एक युवती का शव बरामद हुआ। बताया जाता है कि युवती बनारस से बीती रात परीक्षा देकर लखनऊ पहुंची थी। बस से उतरकर उसने ऑटो किया लेकिन वह घर नहीं पहुंची। पुलिस ने परिजनों से जानकारी मिलने के बाद उसकी लोकेशन ट्रेस की, जिसके बाद बाग में उसका शव बरामद हुआ। परिजनों की ओर से ऑटो चालक व उसके साथियों द्वारा गैंगरेप की आशंका जताई जा रही है। वहीं, पुलिस पोस्टमार्टम के बाद मौत की वजह साफ होने की बात कह रही है।

परिजनों के संपर्क में थी युवती

परिजनों की ओर से पुलिस को बताया गया कि बनारस से परीक्षा देकर उनकी बेटी लखनऊ बस से आ रही थी। बीती रात वह आलमबाग बस अड्डे पर पहुंची तो वहां से ऑटो पर बैठकर अपने घर चिनहट जाने के लिए रवाना हुई। बताया जाता है कि ऑटों में बैठने के बाद तक वह कॉल के जरिये परिवार के संपर्क में थी। इसी बीच पता चला कि ऑटो चालक युवती को गलत रास्ते पर ले जा रहा है, जिसके बाद युवती ने अपनी लोकेशन परिजनों को भेजी। परिवार के मुताबिक, कुछ देर बाद उसका कॉल कट हो गया, तब उसकी लोकेशन मोहम्मद नगर तालुकेदारी थाना मलिहाबाद क्षेत्र में दिख रही थी।

सूचना पर पुलिस ने शुरू की थी जांच

युवती की लोकेशन ऑफ होने के बाद परिजनों ने कई बार कॉल भी किया लेकिन फोन स्विच ऑफ जा रहा था। जिसके बाद परिवार ने इसकी सूचना डायल 112 को दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम एक्टिव हुई। मौके पर थाने की पुलिस टीम ने सर्विलांस की मदद से युवती की तलाश शुरू की। इसी बीच युवती मोहम्मद नगर तालुकेदारी के पास स्थित आम के बाग में अचेत अवस्था में मिली, जिसको मौके पर मौजूद पुलिस ने आनन फानन में इलाज के लिए के जी एम यू पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

युवती के शरीर पर मिले चोट के निशान

पुलिस सूत्रों की माने तो युवती के शरीर पर कई जगह चोट के निशान मिले हैं। परिजनों की तहरीर पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। परिजन युवती के साथ गैंगरेप की आशंका जताते हुए मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं, पुलिस का कहना है कि युवती का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असल वजह स्पष्ट होगी। पुलिस टीमें घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक करके आरोपी ऑटो चालक और उसके साथियों की तलाश में जुटी हुई है।

लेसा ने पहले जबरन खेत में बिजली का पोल लगाया,अब हटवाने के लिए मांग रहा पैसा

...... किसान को रोजगार के लिए जमीन का टुकड़ा पट्टे में मिला था
..........पट्टे में मिली जमीन पर पोल लगाकर बिछा दी हाइटेंशन लाइन
...... मोहनलालगंज सब स्टेशन में लेसा की लापरवाही से किसान परेशान।

स्वतंत्र प्रभात

विनीत कुमार मिश्रा

लखनऊ । राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज में किसान का आरोप है कि पट्टे में मिली भूमि पर पहले लेसा ने जबरन ग्यारह हजार लाइन का पोल लगाकर लाइन बिछा दी।अब हटाने के लिए एसडीओ पैसे मांग रहे है।किसान ने पूरे मामले की शिकायत एसडीएम मोहनलालगंज बृजेश वर्मा से न्याय की गुहार है। हुलासखेड़ा गांव के रहने वाले किसान शंकर प्रसाद त्रिवेदी ने बताया कि गांव में उसे रोजगार करने के लिए गांव में पट्टे पर भूमि का एक टुकड़ा मिला था।जिस पर कुछ दिन पहले लेसा ने जबरन बिजली का पोल लगाकर हाइटेंशन लाइन बिछा दी।और लाइन इतने नीचे लगा दी कि उस पर रोजगार करना मुश्किल हो रहा है।इसके बाद किसान मोहनलालगंज के एसडीओ से मिलकर अपनी समस्या बताकर पोल हटाने की गुहार लगाई तो एसडीओ ने कहा पोल हटवाने के लिए पैसे लगेंगे तब किसान ने परेशान होकर पूरे मामले की शिकायत एसडीएम मोहनलालगंज बृजेश वर्मा से कर न्याय की गुहार लगाई है । जिसके बाद एसडीएम ने पूरे मामले की जांच एक्सियन मोहनलालगंज को सौंप दी। इस संबंध में एक्सियन श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि उपभोक्ता क़ो न्यूनतम दर का एस्टीमेट उपलब्ध कराने हेतु एसडीओ मोहनलालगंज क़ो निर्देशित किया गया है।

सरकारी इस्टीमेट जमा करने के लिए कहा से लाए पैसे

पीड़ित किसान ने बताया कि पहले तो लेसा ने जबरन उसे पट्टे में मिले खेत के बीच में अवैध तरीके से बिजली का पोल लगा दिया।जिसके चलते वह अपने खेत में कोई रोजगार नहीं कर पा रहा है।अब पोल हटवाने के लिए सरकारी इस्टीमेट का पैसा जमा करने के लिए कहा से पैसा लाए ।

पहले ही मानक के अनुसार हाईटेंशन लाइन लगाते तो क्यों होती दिक्कत*.........

किसान ने आरोप लगाया कि अगर पहले ही लेसा मानक के अनुसार बिजली का पोल लगाकर लाइन बिछाती तो उसे इतनी दिक्कत क्यों होती।अब वहीं उससे पैसे वसूलकर मानक के अनुसार बिजली लगाने लिए तैयार है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं शिक्षा के मामले में अव्वल है कंपोजिट विद्यालय टूक : सचिन यादव

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज/रायबरेली। क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय टूक में पहला वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसडीएम महराजगंज सचिन यादव और विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी राममिलन यादव व खंड विकास अधिकारी वर्षा सिंह के द्वारा शिक्षा की देवी मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्पण से किया गया, तत्पश्चात बच्चों ने स्टेज पर संस्कृत और राष्ट्र को समर्पित गीत तथा लघु नाटिकाएं प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। बच्चों को स्टेज पर थिरकता देख सामने बैठे अभिभावक भी खुशी से झूम उठे। इस समारोह में छोटे-छोटे बच्चों ने जमकर धमाल मचाया। रंग-बिरंगे कपड़ों में स्कूल पहुंचे बच्चों के डांस को देखकर उसके अभिभावक भी झूमने को मजबूर हो गए। स्कूल के प्रधानाचार्य अखिलेश कुमार ने बताया कि, कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के मन में प्राइवेट विद्यालयों की तुलना में सरकारी विद्यालय भी शिक्षा और बच्चों के परफॉर्मेंस करने के मामले में पीछे नहीं हैं, इसके अलावा बच्चों के मन से सबके सामने परफॉर्म करने के डर को निकालना भी है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए स्कूल के सभी शिक्षकों और अभिभावकों का भी आभार जताया है। वार्षिकोत्सव समारोह एवं शारदा संगोष्ठी कार्यक्रम के मंच पर नन्हे बच्चों ने भारतीय संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अलग-अलग प्रसंगों पर आधारित कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। साथ ही अपने मनपसंद गानों पर भोली-भाली अदाओं और आत्मविश्वास से डांस कर अतिथियों, अभिभावकों और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज रहा था। एसडीएम महराजगंज सचिन यादव ने अपना अतिथीय संबोधन एक गीत ÷बुलाकर देख लेना दौड़ कर आता रहूंगा मैं÷ से किया। उन्होंने कहा कि, कंपोजिट विद्यालय के अध्यापक जब भी उनकी जरूरत समझेंगे, उन्हें विद्यालय बुला सकते हैं। वह इस विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों और विद्यालय के सतत् विकास के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। उन्होंने विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक अखिलेश कुमार की तारीफ करी, जिन्होंने विद्यालय में स्मार्ट क्लासेस से लेकर उच्च कोटि की सुविधाएं बच्चों को उपलब्ध करा रखी है। एसडीएम सचिन यादव ने कहा कि, इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों का शारीरिक और मानसिक दोनो विकास होते है। इस समारोह से ये फायदा है कि, 2 से 6 साल के बच्चे भी अपनी प्रतिभा की बदौलत हजारों लोगों के सामने आकर बोल सकते हैं। बच्चों को शुरुआत से ही ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेना चाहिए। जिससे उसका आगे का ग्रोथ होगा। कार्यक्रम में बच्चों व अभिभावकों को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी राममिलन यादव व खंड विकास अधिकारी वर्षा सिंह ने कहा कि, अपने बच्चों को आप सब उचित मार्गदर्शन में सरकारी विद्यालयों में दाखिला कराकर पढ़ने भेजें, तभी हमारा टूक ग्राम पंचायत आगे बढ़ सकता हैं, क्योंकि आज के बच्चे ही आने वाले कल के भविष्य हैं। जो राष्ट्र निर्माण में अपना अहम किरदार निभाते हैं। उन्होंने शारदा संगोष्ठी का मतलब बताते हुए कहा कि, हमारे बेसिक विद्यालय भी किसी प्राइवेट विद्यालय की तुलना में कम नही हैं। चाहे शिक्षा के क्षेत्र में हों, या फिर सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लेकर, खेल के क्षेत्र में भी सरकारी विद्यालयों के बच्चे अव्वल परफॉर्मेंस देकर क्षेत्र ही नहीं, प्रदेश और देश स्तर पर अपना नाम रोशन कर रहे हैं। तू ही तो वही कार्यक्रम के आयोजक वह कंपोजिट विद्यालय टुक के प्रधानाचार्य अखिलेश कुमार ने आए हुए अतिथियों अभिभावकों व ऑन निहाल बच्चों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आप सभी ने विद्यालय परिसर में आकर विद्यालय परिवार की शोभा बढ़ाई है मैं हमेशा आप सभी का आभारी रहूंगा। इस मौके पर मधुकर सिंह शिव शंकर सिंह संजय कनौजिया जगदेव शुक्ला ग्राम प्रधान सुनील मौर्य हेमंत सिंह प्रदीप कुमार सहित अनेक लोग मौजूद रहे तो वही कार्यक्रम की अध्यक्षता वीरेंद्र सिंह ने की।

ग्रामीणों का आरोप.... साहब ! लेखपाल नाई आ रहे पंचायत चौराहे पर बुलाए केरे काम केरे बदलेम मांगत हैं पईसा

......राज्य सरकार की 34 बीघा भूमि पर दबंगों का कब्जा
......ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से की शिकायत

स्वतंत्र प्रभात

काकोरी, लखनऊ। थावर ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर लेखपाल पारस वर्मा पर अपनी मर्जी से कार्य करने पंचायत में न आने सहित कार्य के बदले सुविधा शुल्क लेने का आरोप लगाया है। आपको बता दें कि सदर तहसील में तैनात लेखपाल पारस वर्मा पर थावर पंचायत के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी लखनऊ को शिकायती पत्र के माध्यम से आरोप लगाया है कि यह कभी गांव नहीं आते हैं,घरौनी बनाने, वरासत संबंधी कार्य करने में कोई रुचि नहीं दिखाते हैं।सभी ग्रामीणों के कार्य पेंडिंग पड़े हुए हैं।साथ ही ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि किसी कार्य के लिए फोन करने पर लेखपाल गोपरामऊ चौराहे पर बुलाते हैं।साथ ही कार्य के बदले में सुविधा शुल्क भी मांगते हैं।

गोपरामऊ चौराहे से पुराना नाता

अगर बात करें लेखपाल की तो ग्रामीणों ने बताया कि गोपरामऊ चौराहे से लेखपाल का पुराना नाता है,अभी कुछ दिन पूर्व गोपरामऊ में चल रहे अवैध खनन में लेखपाल की संलिप्तता पाए जाने पर मंडलायुक्त के द्वारा निलंबित किया गया था।फिर बहाली करवाकर ग्रामीणों के कार्यों में शिथिलता बरत रहे हैं।

संलिप्तता या लापरवाही

शिकायती पत्र में ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि राज्य सरकार की 34 बीघा भूमि पर दबंग कब्जा जमाए रखे हैं।कहने को तो पंचायत में लेखपाल सरकारी जमीनों के सुरक्षा मद में तैनात हैं,पर यहां तो कितने हाकिम राजस्व महकमे के आएं और गए लेकिन दबंग बेशकीमती जमीन पर से हटे ही नहीं।जमीन का कब्जा लेखपाल की कार्यशैली की पोल खोलता है।वहीं दबंगों के हौसले बुलंद हैं। इसमें लेखपाल की संलिप्तता समझी जाए या फिर लापरवाही।

क्या बोले जिम्मेदार

इस संबंध में जब लखनऊ जिलाधिकारी विशाख जी से संपर्क किया गया तो फोन उनके पीआरओ ने उठाया बताया कि साहब अभी मीटिंग में हैं बाद में बात होगी।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ कि राज्य कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हुई

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 19 मार्च, 2025 उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के आवाहन पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से प्राप्त सूचनाओं के अनुसार सभी मूल्यांकन केन्द्रों पर शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने बाहों में काली पटटी बांधकर मूल्याकंन कार्य किया। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में लखनऊ में सम्पन्न राज्य कार्यकारिणी की बैठक में पुरानी पेंशन की बहाली, शिक्षकों की सेवा सुरक्षा धारा 21, शिक्षकों की पदोन्नति सम्बन्धी धारा 12, प्रधानाचार्य की तदर्थ पदौन्नति सम्बन्धी धारा 18 की बहाली, शिक्षकों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा, वित्त विहीन विद्यालयों के शिक्षकों को समान कार्य के लिए समान वेतन सम्बन्धी मांगों को लेकर चरणबद्व संघर्ष किए जाने का निर्णय किया गया था। संगठन के प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डा0 आर0पी0 मिश्र एवं महामंत्री नरेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि संघर्ष के प्रथम चरण में दिनांक 25 फरवरी से 15 मार्च, 2025 तक स्टिकर अभियान चलाया गया और अब संघर्ष के दूसरे चरण में राज्य सरकार को प्रेषित मागों के समर्थन में प्रदेश के सभी मूल्याकनं केन्द्रों में शिक्षकों द्वारा बाहों में काली पटटी बाधकर मूल्याकनं कार्य शुरू किया गया है। शिक्षक नेताओं ने बताया कि यदि मूल्याकन की समप्ति तक राज्य सरकार द्वारा मागों पर प्रभावी कार्यवाही नही की जाती है तो दिनांक 14 अप्रैल, 2025 को कानपुर में आयोजित राज्य परिषद की बैठक में संघर्ष की अगली रूपरेखा निर्धारित की जाएगी।

मिलेट्स पुनरुद्धार योजना के तहत कृषक जागरूकता गोष्ठी आयोजित

स्वतंत्र प्रभात

मलिहाबाद। मलिहाबाद विकासखंड में बुधवार दोपहर बाद कृषि विभाग द्वारा मिलेट्स पुनरुद्धार योजना के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय कृषक जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में सहायक विकास अधिकारी (कृषि) मानवेन्द्र सिंह ने श्री अन्न (मोटे अनाज) के महत्व एवं उसमें मौजूद सूक्ष्म पोषक तत्वों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने ज्वार, बाजरा, रागी, कंगनी, कुटकी आदि मिलेट्स की खेती के वैज्ञानिक तरीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रगतिशील किसान गिरजा शंकर मौर्या ने जलवायु परिवर्तन और मोटे अनाजों की खेती के बढ़ते महत्व पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि मोटे अनाज कम पानी में भी उपजाए जा सकते हैं और बदलते मौसम में किसानों के लिए लाभकारी हैं। गोष्ठी में कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सहायक विकास अधिकारी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, प्राकृतिक खेती योजना, और मिलेट्स उत्पादन को बढ़ावा देने वाली अन्य योजनाओं की जानकारी दी। इस मौके पर एटीएम विमल सिंह, क्षेत्र के सैकड़ो प्रगतिशील किसान मौजूद रहे।

राजकीय इंटर कालेज, वेणीमाधव इंटर कालेज एवं आर आर इंटर कालेज में बोर्ड की कपियों का मूल्यांकन शुरू

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई। बुधवार को राजकीय इंटर कालेज हरदोई में मूल्यांकन प्रभारी राजीव मिश्रा ने बताया कि 87 उप प्रधान परीक्षक 920 परीक्षक उपस्थित रहे लगभग 9000 कापियाँ मूल्यांकित की गई आर आर इंटर कालेज में सह उप नियंत्रक सत्येंद्र सिंह ने जानकारी दी कि 73 उपप्रधान परीक्षक 445 परीक्षकों द्वारा 11178 कापियाँ जांची गई। वहीं वेणीमाधव इंटर कालेज हरदोई मूल्यांकन केन्द्र की उपनियंत्रक गीता शुक्ला ने बताया कि हमारे केन्द्र में 64 उप प्रधान परीक्षक तथा 290 परीक्षकों द्वारा 10480 कापियां मूल्यांकित कराई गई। उप नियंत्रक श्याम नारायण यादव ने बताया कि यू पी बोर्ड की कापियों का मूल्यांकन जिले में तीन मूल्यांकन केंद्र बनाए गए हैं जी आई सी हरदोई, में इन्टर की वेणीमाधव इ कालेज तथा आर आर इ कालेज हरदोई में हाईस्कूल की कापियों का मूल्यांकन किया जायेगा वेणीमाधव इंटर कालेज में 137891 कापिया जांचने के लिए 80 उप प्रधान परीक्षक,817 परीक्षक लगायें गये हैं। इसी तरह आर आर इंटर कालेज में 126512 कापियाँ 76 उप प्रधान परीक्षक 739 परीक्षक मूल्यांकन करेंगे जबकि जी आई सी में 83 उप प्रधान परीक्षक मूल्यांकन करायेंगे। तीनों ही केन्द्रों में शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। सह उप नियंत्रक सुधाकर बाजपेई ने कहा कि कापियों का मूल्यांकन छात्र हित को ध्यान में रख कर करना है गलती पर शासन द्वारा इस वर्ष कड़े कदम उठाए गए हैं।पारिश्रमिक में कटौती के साथ अनुशासतमक कार्य वाही हो सकती है। इस अवसर पर राजेश तिवारी, राजीव मिश्रा, संयुक्त मोर्चा शिक्षक संघ हरदोई के सह संयोजक राजबीर सिंह, प्रधानाचार्य सुमन द्विवेदी, शिक्षक संघ के प्रदेश मंत्री सत्यम दीक्षित, मुन्ना लाल पाल, आदि उप प्रधान परीक्षक, परीक्षक उपस्थित रहे।

धड़ल्ले से हो रहा सिंथेटिक दूध का कारोबार विभाग बेखबर; लोगों की जान से हो रहा खिलवाड़

स्वतंत्र प्रभात

कछौना, हरदोई। तहसील क्षेत्र संडीला में सिंथेटिक दूध का कारोबार बड़े पैमाने पर हो रहा है। जिससे मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। पूरे मामले की शिकायत सामाजिक कार्यकर्ता अभिषेक पटेल ने शासन प्रशासन से की है, दिए गए पत्र में स्वास्थ्य विभाग व खाद विभाग की अनदेखी के चलते तहसील क्षेत्र में सैकड़ो दूध डेयरी मानकों को ताक पर रखकर संचालित हो रहे हैं। दूध का संग्रह कर नामी गिरामी कंपनियों में दूध भेजने के साथ शहरों में सप्लाई करते हैं। अधिकांश दूध डेयरी संचालक हानिकारक रसायन रिफाइन्ड तेल, टूथपेस्ट, यूरिया, वाशिंग पाउडर इत्यादि विषाक्त पदार्थों को मिलाकर बनाते हैं। फलतः इन डेयरियों से निकला यह सफेद दूध मीठा जहर बनकर लोगों को बीमारियां बांट रहे हैं। जाने अनजाने में आम नागरिक दूध व दूध से तैयार खाद्य पदार्थों का सेवन कर गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। दूध की हमारे दैनिक जीवन में छोटे बच्चों से लेकर रोजाना चाय, लस्सी, मिठाई, आइसक्रीम मिल्क पाउडर, घी आदमी प्रयोग होता है, जबकि मिलावटी दूध पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती की है, कानून में उम्र कैद का प्रावधान है। यह दूध डेरियां मानकों को ताक पर रखकर संचालित होती हैं। दूध रखने के स्थान पर साफ सफाई की व्यवस्था नहीं की जाती है। दूध रखने हेतु ड्रम खुले में रखे होते हैं। जिनमें मक्खियां धड़ल्ले से पड़ी रहती हैं। सामाजिक कार्यकर्ता अभिषेक पटेल ने जन स्वास्थ्य के हित में मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर दोषियों पर कार्यवाई की मांग की है।

संक्षिप्त ख़बरें

सिलापथार के ज्योतिनगर रोड पर ट्रैक्टर की चपेट में आने से छात्रा की मौत

धेमाजी असम। सिलापथार में आज एक दुखद सड़क दुर्घटना घटी। पीड़ित की पहचान 24 वर्षीय बिस्वजीत कोंवर के रूप में हुई, जो सिलापथार पूर्वांचल महा विद्यालयब के चौथे सेमेस्टर का स्नातकोत्तर छात्र था। ज्योतिनगर रोड पर पत्थर ले जा रहे लाल रंग के ट्रैक्टर (एएस 22 सी/5763) ने उसे टक्कर मार दी, जिससे छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक छात्र की पहचान डिब्रूगढ़ निवासी के रूप में हुई है। घटनास्थल से सिलापथार पुलीस ने आकर पीड़िता का शव बरामद किया तथा जांच जारी है।

टैंकर की टक्कर से बाइक सवार महिला की मृत्यु

राया। कस्बा राया में मांट रोड के समीप बाइक पर बैठी महिला को टैंकर ने पीछे से टक्कर मार दी। जिसके चलते बाइक पर बैठी महिला गिर गई और टैंकर के नीचे आ गई। एक्सीडेंट की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। थाना पुलिस ने महिला को कस्बे के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पति जितेंद्र सिंह ने बताया कि वह बाइक से पत्नी के साथ जा रहे थे।

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत

मथुरा। बुधवार को सुबह करीब नौ बजे सौंख मगोर्रा मार्ग पर तेज गति से आती हुई कार ने एक बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। इससे बाइक सवार एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की है। बुधवार की सौंख मगोर्रा मार्ग पर पर ग्राम मगोर्रा के निकट एक कार ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। इससे बाइक पर सवार तीन लोग घायल हो गए। दुर्घटना में गंभीर घायल गुड्डी देवी निवासी भडकौली थाना फतेहपुर सीकरी जनपद आगरा को उपचार हेतु जिला अस्पताल मथुरा भेजा गया। जहां चिकित्सकों द्वारा गुड्डी देवी को मृत घोषित कर दिया। बाइक सवार अन्य घायल रीना तथा विशाल निवासीगण भडकौली थाना फतेहपुर सीकरी का उपचार केएम मेडीकल कालेज पाली डूँगरा में चल रहा है।

वांछित चल रहे आठ अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

मथुरा। थाना मांट पुलिस ने आठ वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने अभिक्तों को उनके आवास से करीब नौ बजे न्यायालय द्वारा जारी एनबीडबल्यू के क्रम में फत्ते सिंह पुत्र गुलजारी निवासी प्रेम नगर थाना मांट, प्रहलाद पुत्र प्रताप सिंह निवासी प्रेमनगर थाना मांट, सूरज पुत्र प्रहलाद सिंह निवासी प्रेमनगर थाना मांट को गिरफ्तार किये ये अभियुक्त न्यायालय में विचाराधीन दो मुकदमों में वांछित चल रहे थे। वहीं बलवीर पुत्र जगदीश निवासी जनकपुर थाना मांट, जगदीश पुत्र बुद्धा निवासी जनकपुर थाना मांट, वर्ष 2021 से संबंधित एक अभियोग में गैर जमानती वारंट जारी होने पर गिरफ्तार किया वहीं सोरन पुत्र राजेन्द्र सिंह निवासी मांट मूला थाना मांट तथा रामवीर सिंह पुत्र राम सिंह निवासी मांट मूला थाना मांट वर्ष 2015 से चल रहे एक अभियोग में वांछित होने पर गिरफ्तार किया है। वहीं अभियुक्त लाखन पुत्र हरी सिंह निवासी जहांगीरपुर थाना मांट वर्ष 2016 में दर्ज हुए दो आर्म्स एक्ट के मामलों में न्यायालय से वांछित चल रहा था। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर संबंधित न्यायालय में पेश किया। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक राजीत वर्मा थाना मांट, एसआई राकेश कुमार थाना मांट, एसआई शरद कुमार त्यागी थाना मांट तथा एसआई कपिल कुमार थाना मांट आदि थे।

आधार कार्ड को लेकर सीडीओ ने की महत्वपूर्ण बैठक

मथुरा। मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना ने कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी प्रशासन विजय शंकर दुबे, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी अजेया चौधरी, जिला कार्यक्रम अधिकारी बुद्धि मिश्रा सहित लखनऊ से आए आधार कार्ड प्रतिनिधियों के साथ चार्ज फॉर आधार सर्विस के संबंध में समीक्षा बैठक की। आधार कार्ड प्रत्येक भारतीय निवासी को सार्वभौमिक पहचान करता है। वर्तमान में आम जनमानस को आधार कार्ड की उपलब्धता एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। आधार कार्ड का उपयोग वर्तमान में विभिन्न शासकीय योजनाओं में किया जा रहा है। सभी आयु वर्गों के कोई भी आवेदक अपने नजदीकी आधार सेवा केन्द्रों पर जाकर शासन द्वारा निर्धारित शुल्क अदा कर आधार कार्ड बनाने की कार्यवाही पूर्ण कर सकता है। इसके अतिरिक्त कोई भी 0-5 आयुवर्ग के बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेशन कार्य करा सकते है। सभी आयु वर्गों के आवेदक विभिन्न शासकीय डाटाबेसों में आधार लिंकेज एवं अपडेशन, आधार में बायोमेट्रिक डिटेल्स को अपडेट कराना सुनिश्चित करे।

हीट वेव से निपटने के 'मथुरा प्लान' को मिली मान्यता

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। धार्मिक पर्यटन के नक्शे पर तेजी से उभर रहे मथुरा में मौसम आपदा प्रबंधन बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। 35 लाख स्थानीय जनता के साथ ही करोड़ों पर्यटक श्रद्धालुओं की सुरक्षा हमेशा चुनौती देती है। इन चुनौतियों से स्थानीय आपदा प्रबंधन तंत्र कारगर तरीके से निपटता है। मथुरा में सर्दी और गर्मी दोनों रिकार्ड तोडती हैं। राजस्थान की सीमा से सटे और दिल्ली के नजदीक बसे मथुरा में भीषण गर्मी पडती है। हीट वेव की चपेट में जनद जल्द आ जाता है। हीट वेव प्रबंधन विगत कुछ वर्षों में खास कर पिछले दो साल में बडी चुनौती रहा है। मथुरा में हीट वेव से निपटने के लिए स्थानीय स्तर पर किये गये कार्यों को प्रदेश भर में सबसे बेहतर पांच कामों में गिना गया है। मथुरा जनपद को इस सूची में चौथा स्थान मिला है। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से 17 एवं 18 मार्च 2025 को हीट वेव प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन लखनऊ स्थित जल एवं भूमि संस्थान में किया गया। जिसमें हीट वेव न्यूनीकरण के लिए किए जाने वाले कार्यों और उपायों पर चर्चा की गई। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा गत वर्ष 2024 में सभी 75 जनपदों के द्वारा किये गए कार्यों और हीट वेव प्रबंधन

योजना का मूल्यांकन भी किया गया। इस मूल्यांकन में जनपद मथुरा की ओर से आपदा विशेषज्ञ सुशील कुमार ने प्रतिभाग कर जनपद मथुरा में गत वर्ष एवं वर्तमान वर्ष में हीट वेव से निपटने के लिए किए गए न्यूनीकरण प्रयासों का प्रस्तुतिकरण भी किया। प्रस्तुतिकरण में बताया गया कि जनपद में गत वर्षों की तुलना में उत्तरोत्तर गर्मी की तीव्रता बढ़ती ही जा रही है। हीट वेव से होने वाले दुष्प्रभावों को कम करने के लिए नवाचारों, जागरुकता एवं प्रशिक्षण माध्यमों को अपनाया जा रहा है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण जीरो टॉलरेन्स, अवोइडेवल डेथ नीति पर लगातार कार्य कर रहा है। इस वर्ष में भी जनपद इसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए दृढ़ता के साथ कार्य करेगा। इसी क्रम में जनपद में वर्ष 2024 में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा हीट वेव कार्ययोजना-2024 तैयार की गई एवं इसी कार्ययोजना को जनपद में हीटवेव के दौरान लागू किया गया था। वर्ष 2024 में उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों द्वारा हीट वेव कार्ययोजना-2024 तैयार की गई। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के विशेषज्ञों एवं यूनिसेफ द्वारा इन सभी योजनाओं का मूल्यांकन कर पांच सर्वश्रेष्ठ जनपदों को राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष योगेंद्र ढिमरी द्वारा सम्मानित किया गया ।जिसमें जनपद मथुरा ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

मथुरा की पहचान खारी पानी ही बनेगा वरदान

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान (दुवासु) मथुरा के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में आज से एनएफडीबी प्रायोजित अंतर्देशीय खारे पानी के क्षेत्रों में झींगा पालन के लिए सर्वोत्तम प्रबंधन पद्धतियाँ विषय पर 3 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। इसमें 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश का क्षेत्र खारे पानी के संसाधनों से बहुत समृद्ध है। जिसका उपयोग झींगा फार्मो के विकास के लिए बहुत अच्छी तरह से किया जा सकता है। यह जिले में पहला प्रशिक्षण है। जिसमें प्रशिक्षुओं को तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जायेगा। प्रशिक्षण के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार मदान ने मछली पालकों को इस प्रशिक्षण अवसर का पूरा लाभ उठाने तथा विशेषज्ञों के व्याख्यानों से झींगा पालन की तकनीक सीखने की सलाह दी। अधिष्ठाता मत्स्य विज्ञान डॉ. नित्यानंद पांडेय ने झींगा पालन से होने वाले आय एवं लाभ के विषय में प्रशिक्षणार्थियों से विस्तृत चर्चा की।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि एवं निदेशक प्रसार डॉ. अतुल सक्सेना, निदेशक शोध डॉ. विनोद कुमार, अधिष्ठाता पशु चिकित्सा डॉ. विकास पाठक, उप निदेशक मत्स्य डॉ. राजेंद्र सिंह चंदेल, मुख्य वक्ता डॉ. देबतनु बरमन, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद आदि उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में प्रदेश के मत्स्य पालकों के साथ साथ आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, राजस्थान आदि प्रदेशों से भी मत्स्य पालक एवं छात्र उपस्थित रहे। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ .परमवीर सिंह, सहायक आचार्य, प्रशिक्षण सह समन्वयक सहायक आचार्य डॉ. मुक्ता सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ लक्ष्मी प्रसाद, विभागाध्यक्ष एक्वाकल्चर विभाग द्वारा दिया गया।

बलदेव क्षेत्र को मिलेगा अपना पहला मिली स्टेडियम

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। खेल अभी भी न आम आदमी और नहीं जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकता हैं। खेलों पर खर्च करने की सोच अभी समाज में विकसित नहीं हुई। खेलों के नाम इक्का दुक्का खुले कुश्ती दंगल ही होते हैं। यह परंपरागत हैं, जिन कुश्तियों में पदक मिलते हैं और खेल आयोजनों का हिस्सा बनती हैं वह गददे की कुश्ती हैं, इसके लिए एक व्यवस्थित स्टेडियम की आवश्यकता होती है। यह दुभाग्य पूर्ण ही है कि मथुरा जैसे जगह पर सभी विधान सभाओं में सलीके का अपना खेल स्टेडियम नहीं है। ऐसी गतिविधियों के लिए युवा सोच की जरूरत होती है। प्रतीक भरंगर बलदेव ब्लाक का अध्यक्ष पद मिला तो युवाओं ने अपने साथी से सबसे पहले क्षेत्र को एक स्टेडियम की मांग की। केंद्रीय स्वतंत्र प्रभार मंत्री ने बलदेव क्षेत्र में मिनी स्टेडियम बनाने के लिए 30 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं। जिससे क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। राष्ट्रीय लोकदल पार्टी जिलाध्यक्ष राजपाल भरंगर व ब्लॉक प्रमुख प्रतीक सिंह भरंगर ने कहा है कि काफी समय से बलदेव क्षेत्र में मिनी स्टेडियम के लिए प्रयासरत थे। जिसकी मांग अपनी पार्टी से की थी। आज वो सुनहरा मौका मिल गया। युवाओं में जोश और उत्साह देखने को मिल रहा है। जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह भरंगर ने बताया खेल से शारीरिक विकास होता है। जिसके लिए समय की जरूरत होती है संसाधन होने से कम समय में हम स्वस्थ रह सकते हैं। इसके लिए जिम की आवश्यकता होती है। अब शहरों की तरह सभी सुविधाओं का लाभ ग्रामीण स्तर पर मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्र के लोग स्टेडियम के माध्यम से स्वस्थ्य रह सकते हैं। एक ही स्थान पर सभी प्रकार के खेलकूद सहित जिम की व्यवस्था हो जाएगी। अब भटकने की जरूरत नहीं है। शहरों की तरह लोग खेल सामग्री का प्रयोग करके स्वस्थ रह सकेंगे। स्टेडियम में रनिग ट्रैक, चेंजिग रूम, टॉयलेट, आउटडोर जिम, वाच गैलरी सहित अन्य सुविधाएं रहेंगी। युवा ब्लॉक प्रमुख प्रतीक सिंह भरंगर ने बताया काफी समय से मिनी स्टेडियम के लिए प्रयासरत थे। युवाओं का सपना साकार होते हुए दिखकर आज खुशी है। युवाओं के लिए क्षेत्र में कुछ करके दिखाना मेरा सपना है। बलदेव क्षेत्र के गांव पचावर कैलाशी देवी इंटर कालेज पर मिनी स्टेडियम पर 30 लाख रुपये की लागत से स्टेडियम का निर्माण होगा।जिलाध्यक्ष राजपाल भरंगर , ब्लॉक प्रमुख प्रतीक सिंह भरंगर व पार्टी के कार्यकताओं ने जयंत चौधरी जी आभार प्रकट किया है।

नगर आयुक्त ने गोविंद नगर सड़क की गुणवत्ता परखी

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। नगर आयुक्त द्वारा अर्बन रोड़ इन्फ्रास्टचर डेवलपमेन्ट एजेन्सी द्वारा संचालित मुख्यमंत्री ग्रीन रोड़ इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट योजनान्तर्गत निर्माणाधीन गोविन्द नगर सड़क का विकास एवं सौन्दर्यीकरण कार्य के दृष्टिगत स्थलीय निरीक्षण किया गया। पूर्व में नगर आयुक्त शशांक चौधरी ने स्थलीय निरीक्षण के दौरान कार्य को समयान्तर्गत प्रारम्भ करने एवं कुशल अभियन्ताओं की तैनाती करने के लिये फर्म मैसर्स नेशनल हाईवें कन्स्ट्रक्शन को तत्काल कार्य प्रारम्भ किये जाने के लिए निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि फर्म द्वारा धीमी गति से कार्य प्रारम्भ किया गया है। इस पर नगर आयुक्त द्वारा गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुये फर्म को

कड़ी फटकार लगायी गयी तथा कार्य को तीव्र गति से किये जाने के आदेश दिए गए तथा उक्त मार्ग के नाला निर्माण कार्य एवं लाइटों की केबिलों को भूमिगत किये जाने की समीक्षा की गई। साथ ही 15-15 दिवस के रोस्टर तैयार कर किये जाये, जिसके सापेक्ष नगर आयुक्त महोदय द्वारा निरीक्षण किये जायेगें। नगर आयुक्त द्वारा फर्म के प्रतिनिधि एवं सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों, अभियंताओं को प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट से सायंकाल में अवगत कराये जाने एवं गुणवत्तापूर्वक निर्माण कार्य कराये जाने के दिशा निर्देश दिये गए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद धर्मेश तिवारी मुख्य अभियंता अमरेंद्र गौतम, सहायक अभियन्ता सिविल शंशाक, अधिशासी अभियन्ता विद्युत विभाग कृष्णा नगर, सीवरेज इकाई उत्तर प्रदेश जल निगम, कार्यदायी संस्था मैसर्स नेशनल हाईवें कन्स्ट्रक्शन के प्रोपराइटर आदि उपस्थित रहें।

केंद्रीय मंत्री के कब्जे से खाली करायी जाएगी 15 एकड़ जमीन..........

मंत्री ने उनसे कहा कि पार्टी को चन्नापटना उपचुनाव के लिए 50 करोड़ रुपये की जरूरत है. इस पर विजय ने तुरंत जवाब दिया, सर, मेरे पास इतने पैसे नहीं हैं, मुझे अपने रियल एस्टेट प्रोजेक्ट पूरे करने हैं, इसलिए मैं पार्टी के काम में शामिल होने की कोशिश करूंगा. उन्होंने कहा, कुमारस्वामी मेरी बातों से नाराज हो गए और कहा मुझे नहीं पता कि अगर आप 50 करोड़ रुपए तैयार नहीं करेंगे तो मैं क्या करूंगा. न केवल आप बेंगलुरु में रियल एस्टेट का कारोबार चलाएंगे, बल्कि यहां रहना भी मुश्किल हो जाएगा, उन्होंने धमकी दी और फोन काट दिया. विजय टाटा ने शिकायत में बताया, मेरे सामने बैठे रमेश गौड़ा ने धमकी दी कि कुमारन्ना (कुमारस्वामी) के कहे अनुसार 50 करोड़ तैयार रखो और मैं एक मंदिर और एक स्कूल बना रहा हूं, उसके लिए 5 करोड़ दो. उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर तुम यह पैसा नहीं दोगे, तो तुम्हें परेशानी का सामना करना पड़ेगा.विजय ने दावा किया कि जब उन्होंने रुपये देने में असमर्थता जताई तो कुमारस्वामी ने कथित तौर पर उन्होंने गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी.

बरसाना में दूसरे दिन भी बाधित रही रोप वे की सेवा

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। बरसाना के ब्रह्मांचल पर्वत पर स्थित राधा रानी मंदिर पर रोप वे के संचालन आई तकनीकी गड़बड़ी 24 घंटे बाद भी ठीक नहीं हो सकी थी। और रोपवे की सेवा सुचारु नहीं हो सकी थी। बुधवार को दोपहर बाद रोपवे को सहीं करने के लिए इंजीनियर बरसाना पहुंच गए। इंजीनियर बुधवार की शाम तक रोपवे को चालू करने का प्रयास करते रहे। मंगलवार दोपहर करीब ढाई बजे राधा रानी मंदिर रोप वे से जाने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी लाइन थी। मंदिर से तीन ट्रॉली छह छह श्रद्धालुओं को लेकर नीचे की ओर आ रही थीं। नीचे प्लेटफार्म पर आने से पहले तीन ट्रॉली कुछ ऊंचाई पर कुछ देर के लिए रुकती हैं, इस बीच नीचे आ चुकीं ट्रॉली से श्रद्धालु उतरते हैं। जब ऊपर ट्रॉली को रोकने के लिए ब्रेक लगाए गए, तो अचानक ब्रेक फेल हो गए, इससे तीन ट्रॉली तेजी से प्लेटफार्म पर पहुंचीं और आपस में टकरा गईं। इन ट्रालियों में 18 श्रद्धालु सवार थे। एक महिला श्रद्धालु को हल्की चोट आई। सभी श्रद्धालु सकुशल बाल बाल बच गए। इस घटना के बाद रोपवे के मैनेजर संजय सिंह ने वहां पर तकनीकि खराबी का बोर्ड लगा दिया। बुधवार सुबह जब रोप वे से मंदिर जाने के लिए यात्री वहां पहुंचे तो उनको निराशा हाथ लगी। क्योंकि आज भी रोप वे चालू नहीं हो सका। राधारानी रोप वे को चालू कराने के लिए संचालनकर्ता कंपनी के इंजीनियर बुधवार की दोपहर तीन बजे बरसाना पहुंचे। जो ट्रालियों के मरम्मत कार्य करने में जुट गए। इसके अलावा अन्य तकनीकी कमी को खोज रहे थे। शाम तक रोप वे चालू नहीं हो सका था। रोप वे की ट्रॉलियां टकराने के मामले में मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एसबी सिंह ने कहा कि हादसा क्यों हुआ इसके कारणों की जांच की जा रही है। फिलहाल संचालन रोक दिया गया है।

एफएआईवीएम के होली मिलन में कारोबारी समस्याओं पर हुआ चिंतन

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मण्डल मथुरा द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में एसपी ट्रैफिक मनोज कुमार यादव और जीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर अश्विनी मिश्रा ने व्यापारियों की समस्याओं को सुना और सुझाव जाने। फेडरेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में शहर के व्यापारियों ने जीएसटी व पुलिस विभाग से संबंधित अपनी समस्याएं रखी और उनके सुझाव भी साझा किए। एसपी ट्रैफिक ने कहा कि व्यापारी समाज के बंधुओं के सामंजस्य से ही किसी भी स्थानीय समस्या को हल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के समन्वय आयोजन प्रत्येक मास होने चाहिये। जीएसटी मथुरा के असिस्टेंट कमिश्नर अश्विनी मिश्रा ने कहा कि जीएसटी सम्बन्धी किसी भी समस्या के लिये विभाग निराकरण के लिए तत्पर पर है। प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने कहा कि मथुरा वृन्दावन में जो भी ई रिक्शा चल रहे हैं। नगर निगम उन सबके चालकों के आई कार्ड बनाये। इसमें केशव ने हेल्थ इंश्योरेंस, बालकृष्ण चतुर्वेदी, कन्हैया दास, नितिन मसाले वालों, संदीप, महानगर महामंत्री सौरभ, अतुल शोरा वालों, जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह ने विचार व्यक्त किए। महानगर अध्यक्ष रासबिहारी अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया। संचालन जिला महामंत्री सुभाष सैनी ने किया। कार्यक्रम में मनीष, चंद्रमोहन बंसल, रितिक सीए, मनीष गर्ग, आशीष अग्रवाल, योगेश गर्ग, लवी गोयल, आशीष बब्बू, आशीष, नत्थी लाल पाठक आदि उपस्थित रहे।

प्राचीन टीलों से छेडछाड बडी आबादी के लिए खतरा

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। भारतीय किसान यूनियन सुनील के पदाधिकारीयो ने कलेक्ट्री पहुंचकर जिलाधिकारी कार्यालय पर उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मथुरा महानगर के वार्ड नंबर 64 चौबिया पाड़ा स्थित गली महोली की पौर में निरंतर फट रहे मकानों की समस्या से अवगत कराया। भारतीय किसान यूनियन सुनील के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन चतुर्वेदी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण भास्कर एड. ने कहाकि चौबिया पाड़ा स्थित गली महोली की पौर में मकान फटने का सिलसिला निरंतर जारी है। यह लम्बे समय से चली आ रही परेशानी है। विगत कुछ समय ये सिलसिला तेज हो गया है। स्थिति यह है कि 18 मार्च 2025 को जिस मकान में तीन इंच की दरार थी एक ही दिन में यह दरार पांच इंच पर पहुंच गई है। गली मोहल्ले की पौर के निवासी भय के माहौल में अपना जीवन जी रहे हैं। मकान फटने का सिलसिला निरंतर जारी है। चौबिया पाडा क्षेत्र में सड़क तो बनती हैं लेकिन नालियां नहीं बनतीं। चार साल पहले विद्युत विभाग ने अंडर ग्राउंड विद्युत लाइन डाल कर इस पूरे टीले को खोखला कर दिया है। टीले से निकाली गई मिट्टी को टीम में ही समाया नहीं गया। कार्य के दौरान निकली मिट्टी को बाहर ले गये। इसके अलावा अंडरग्राउंड पानी की पाइप लाइन अंग्रेजों के जमाने की है। इसके उपर बिजली विभाग ने अपनी अंडर ग्राउण्ड बिजली की लाइन डाल दी। प्राचीन टीलों पर बसे चौबिया पाडा जैसे अतिसंवेदनशील आबादी क्षेत्र में बिना किसी सर्वे और अवैज्ञानिक तरीके से की गई खुदाई ने टीले के निवासियों के लिए

मुशीबत खडी कर दी। किसान संगठन ने जिलाधिकारी से मांग की है कि पीड़ित लोगों को जल्द मुआवजा दिया जाए। चौबिया पाड़ा क्षेत्र के निवासियों के सभी टैक्स माफ किए जाएं। ज्ञापन सौंपने के दौरान भारतीय किसान यूनियन सुनील के महानगर अध्यक्ष भरत अग्रवाल, नगर अध्यक्ष करन पाठक ने संयुक्त रूप से कहा कि समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो भारतीय किसान यूनियन सुनील के कार्यकर्ता जन आंदोलन को मजबूर होंगे। ज्ञापन देने वालों में महानगर संयोजक असलम कुरैशी, युवा नगर अध्यक्ष दीपक शुक्ला, नगर सचिव जीतू आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे।